हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 346 बेमेतरा, बुधवार 12 अगस्त 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद और समाज सेविका मिनीमाता की पुण्यतिथि पर किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद और समाजसेविका स्वर्गीय मिनीमाता की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा है कि मिनीमाता ने अपना पूरा जीवन मानव सेवा के लिए समर्पित कर दिया।

उन्होंने बाल विवाह और दहेज प्रथा के विरोध में समाज से लेकर संसद तक अपनी आवाज उठाई। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि समाज एवं महिलाओं के उत्थान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिनीमाता जी के नाम पर राज्य सरकार द्वारा राज्य अलंकरण पुरस्कार भी प्रदान किया जाता है।

उन्होंने कहा कि मिनीमाता जी का सेवाभावी व्यक्तित्व हम सभी को हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

जेपीएससी-जेएसएससी आंदोलन पर लाठीचार्ज के विरोध

रांची। झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों पर सोमवार को हुए लाठीचार्ज के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने झारखंड बंद का आह्वान किया है। भाजपा के बंद का असर आज राजधानी रांची की सड़कों पर भी देखने को मिल रहा है। हरमू चौक पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने टायर जलाकर सड़क जाम कर दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई का विरोध किया। सड़क जाम होने के कारण इलाके में यातायात भी प्रभावित हुआ। बंदी के कारण आम दिनों की तुलना में रांची में बसों और अन्य यात्री वाहनों का परिचालन कम दिखाई दे रहा है। रांची से बाहर जाने और राजधानी में आने वाले यात्रियों की संख्या में भी कमी देखी गई है। कई मार्गों पर सड़कों पर सामान्य दिनों की अपेक्षा कम चहल-पहल नजर आ रही है। बंद को देखते हुए राजधानी रांची के सभी निजी स्कूलों को भी मंगलवार को बंद रखा गया है। स्कूल प्रबंधन की ओर से विद्यार्थियों की सुरक्षा और शहर में उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए स्कूल बंद रखने का निर्णय लिया गया है।

ज्ञातव्य है कि जेपीएससी और जेएसएससी की प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितता, पेपर लीक और भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर छात्र लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं। सोमवार को छात्रों ने विधानसभा घेराव का प्रयास किया था।

विपक्ष के हंगामे के कारण राज्यसभा में बाधित रहा प्रश्नकाल

नयी दिल्ली। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर विपक्षी दलों के भारी हंगामे के कारण मंगलवार को राज्यसभा में प्रश्नकाल बाधित रहा और छह मिनट के भीतर कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी।

एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों के सदस्य खड़े होकर राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मुद्दे को लेकर नारेबाजी करने लगे। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कुछ कहना चाहा लेकिन सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने उन्हें अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष जो मुद्दा उठाना चाहते हैं वह राज्य का विषय है और सदन में इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। खरगे ने सभापति पर सरकार के दबाव में सदन का संचालन करने का आरोप लगाया जिस पर राधाकृष्णन ने कहा कि सत्ता पक्ष के सदस्य भी झारखंड का मुद्दा उठाना चाहते थे लेकिन उन्हें भी उसकी अनुमति नहीं दी गयी है। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, वे कभी मुझ पर दबाव नहीं डालते। मैं खरगे जी को छोड़कर किसी के दबाव में नहीं हूं।

इसके बाद सभापति ने प्रश्नकाल की कार्यवाही शुरू की और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय से संबंधित एक प्रश्न पूछा गया। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाईक पूरक प्रश्नों के उत्तर दे ही रहे थे कि अचानक विपक्ष का शोर काफी बढ़ गया और मंत्री को बीच में रुकना पड़ा। सदन में अव्यवस्था की स्थिति देखते हुए राधाकृष्णन ने सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

राजग सांसदों ने मार्च निकाल कर विपक्ष पर सदन की कार्यवाही बाधित करने का लगाया आरोप

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों ने मंगलवार को संसद भवन परिसर में मार्च निकाला और विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे विद्यार्थियों के प्रदर्शन के मुद्दे पर सदन में चर्चा से बचने के लिए कार्यवाही बाधित कर रहे हैं। राजग सांसदों ने मकर द्वार तक मार्च निकाला और आरोप लगाया कि विपक्षी दलों के सदस्य जानबूझकर संसद की कार्यवाही बाधित कर रहे हैं और विद्यार्थियों के मुद्दे पर चर्चा से बचना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष गृह मंत्री अमित शाह से इस मुद्दे पर जवाब देने की मांग कर रहा है। अब शाह चर्चा में शामिल होने और जवाब देने को तैयार हैं तो भी विपक्षी सदस्य हंगामा और शोरगुल करके सदन की कार्यवाही बाधित कर रहे हैं।

अमेरिका ने अपराध, राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए 1.75 लाख से अधिक वीजा रद्द किये

वाशिंगटन। अमेरिका ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में आपराधिक गतिविधियों, धोखाधड़ी, आव्रजन नियमों के उल्लंघन, हिंसा के आह्वान और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े खतरों के कारण 1.75 लाख से अधिक वीजा रद्द किये हैं। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल के दौरान अमेरिका ने उन विदेशी नागरिकों के 1.75 लाख से अधिक वीजा रद्द किये हैं, जिन्होंने वीजा की शर्तों का उल्लंघन किया, अपराध किये, अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ हिंसा का आह्वान किया, अमेरिकियों के साथ धोखाधड़ी की, हमारी आव्रजन व्यवस्था का दुरुपयोग किया या राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाला।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, वीजा रद्द किए जाने के अधिकांश मामले कानून प्रवर्तन एजेंसियों के संपर्क में आने के बाद सामने आए। इनमें मारपीट, नशे में वाहन चलाना, चोरी और मादक पदार्थों से जुड़े अपराध शामिल हैं। कुछ मामलों में यौन उत्पीड़न, बच्चों के साथ दुर्व्यवहार, धोखाधड़ी, गबन और लापरवाही से वाहन चलाने जैसे आरोप भी शामिल थे। मंत्रालय ने कहा कि वीजा रद्द करने की कार्रवाई अमेरिका में रह रहे विदेशी नागरिकों की जारी जांच और स्क्रीनिंग प्रक्रिया का हिस्सा है।

भारतीय और अमेरिकी नौसेनाओं ने कोच्चि में किया संयुक्त ईओडी अभ्यास

कोच्चि। भारतीय नौसेना और अमेरिकी नौसेना कोच्चि में सदर्न नेवल कमांड में 10 से 14 अगस्त तक पांच दिन का द्विपक्षीय 'एक्सप्लोसिव ऑर्डनेंस डिस्पोजल' (ईओडी) अभ्यास कर रही हैं। इसका मकसद दोनों नौसेनाओं की स्पेशलिस्ट डाइविंग और ईओडी टीमों के बीच आपसी तालमेल को बेहतर बनाना है। 10 अगस्त को शुरू हुए इस अभ्यास का उद्देश्य पेशेवर सहयोग को मजबूत करना और मौजूदा ईओडी चुनौतियों से निपटने में विशेषज्ञता का आदान-प्रदान करना है।

इस कार्यक्रम में विषय-विशेषज्ञों का आदान-प्रदान, क्रॉस-ट्रेनिंग, उपकरणों का प्रदर्शन और हालात पर आधारित प्रैक्टिकल ट्रेनिंग शामिल है। यह दोनों नौसेनाओं के कर्मियों को मौजूदा ईओडी तकनीकों, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और बेहतरीन ऑपरेशनल तरीकों को साझा करने का मौका देता है। यह अभ्यास दोनों पक्षों को एक-दूसरे की क्षमताओं, ऑपरेशनल कॉन्सेप्ट और पेशेवर तरीकों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है, साथ ही मिलकर सीखने और ऑपरेशनल तालमेल को बढ़ावा देता है। संयुक्त ट्रेनिंग और बातचीत के जरिए, इस अभ्यास से कर्मियों को प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने, आपसी समझ बढ़ाने और जटिल व बदलती ईओडी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने की क्षमता को मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद है। भारतीय नौसेना और अमेरिकी नौसेना 2005 से संयुक्त साल्वेज और ईओडी अभ्यास कर रही हैं। कोच्चि में हो रहा यह अभ्यास इस खास द्विपक्षीय ट्रेनिंग कार्यक्रम का आठवां संस्करण है। यह हालिया अभ्यास दोनों नौसेनाओं की आपसी तालमेल बढ़ाने, ऑपरेशनल विशेषज्ञता साझा करने और खास नौसैनिक ऑपरेशन्स में सहयोग मजबूत करने की लगातार प्रतिबद्धता को दिखाता है।

रायपुर में फर्जी भारतीय दस्तावेजों के मामले में बंगलादेशी युवक गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पुलिस ने एक बांग्लादेशी युवक को कथित तौर पर फर्जी भारतीय दस्तावेजों के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान शेख रेहान के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे टिकरापारा थाना क्षेत्र के संजय नगर से पकड़ा है। पुलिस से आज मिली जानकारी के अनुसार, शेख रेहान वर्ष 2000 में अपने माता-पिता के साथ रायपुर आया था और तब से यहां रह रहा था।

हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

नयी दिल्ली। लोक सभा में विपक्ष ने मंगलवार को छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के जिम्मेदारों के नाम उजागर करने समेत अन्य मुद्दों को लेकर हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। एक बार स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही दो बजे शुरू होते ही विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए सदन के बीचोंबीच आ गये। पीठासीन अधिकारी कृष्ण प्रसाद तेन्नेटी ने जरूरी कागजात सदन के पटल पर रखवाये।

विद्यार्थियों के मामले में गृह मंत्री जवाब देने के लिए तैयार है: बिरला

नयी दिल्ली। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि सरकार विद्यार्थियों के मामले में सदन में चर्चा और गृह मंत्री के जवाब को लेकर सहमत है तथा इस मुद्दे पर सदन की कार्यवाही बाधित नहीं की जानी चाहिए।

प्रश्नकाल शुरू होते ही विपक्षी सदस्य हंगामा करने लगे कि 20 जुलाई को राजधानी में पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय की जाये और इसको लेकर गृह मंत्री अमित शाह सदन में बयान दें। समाजवादी पार्टी के सदस्य अयोध्या के राममंदिर में चढ़ावा चोरी की जांच की मांग को लेकर नारे लगाते हुए शोरगुल करने लगे। बिरला ने कहा कि सरकार और विपक्ष दोनों को मिलकर सहमति बनानी चाहिए। सदन की कार्यवाही चलनी चाहिए। विपक्ष की जो प्रमुख मांग है कि विद्यार्थियों के मामले में गृह मंत्री जवाब दें या चर्चा में भाग लें, सरकार ने इस पर सहमति जतायी है। कल कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने स्पष्ट रूप से कहा है कि गृह मंत्री विद्यार्थियों के मामले में जवाब देने को तैयार हैं। बिरला ने कहा कि प्रश्नकाल बहुत महत्वपूर्ण होता है, वह व्यक्तिगत रूप से भी कई बार आग्रह कर चुके हैं कि प्रश्नकाल की कार्यवाही बाधित न की जाये।

हरियाणा, पंजाब और दिल्ली में भारी बारिश का अनुमान, हिमाचल में बहुत भारी बारिश की चेतावनी

पंचकूला। हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और दिल्ली में मंगलवार को मानसून एक बार फिर सक्रिय रहेगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इन क्षेत्रों में व्यापक बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताई है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है।

आईएमडी की ओर से 11 अगस्त को सुबह 8.27 बजे जारी अखिल भारतीय मौसम सारांश एवं पूर्वानुमान बुलेटिन के अनुसार, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और पंजाब में 11 अगस्त और फिर 13 अगस्त को व्यापक से बहुत व्यापक बारिश होने की संभावना है। दोनों दिन इन क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है।

आईएमडी की 11 अगस्त की दिनवार चेतावनी के अनुसार, हिमाचल प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है। वहीं हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पंजाब, जम्मू-कश्मीर तथा उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। आईएमडी के बारिश चेतावनी मानचित्र में भी 11 अगस्त के लिए हिमाचल प्रदेश को भारी से बहुत भारी बारिश की श्रेणी में दिखाया गया है।

छिंदवाड़ा में टला बड़ा विमान हादसा

पूर्व सांसद नकुलनाथ और कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी होने वाले थे सवार

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश में मंगलवार सुबह छिंदवाड़ा एयर स्ट्रिप पर उस समय हड़कंप मच गया जब भोपाल के लिए उड़ान भरने को तैयार पूर्व सांसद नकुलनाथ के विमान में तकनीकी खराबी आ गई। विमान के इंजन में खराबी के कारण बड़ा हादसा टल गया। राहत की बात रही कि विमान ने उड़ान भरने से पहले ही तकनीकी समस्या पकड़ ली और पायलट ने विमान को उड़ाने का फैसला टाल दिया। पूर्व सांसद नकुलनाथ और मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी मंगलवार सुबह छिंदवाड़ा से भोपाल के लिए रवाना होने वाले थे। दोनों नेता भोपाल में आयोजित कांग्रेस की बैठक में शामिल होने जा रहे थे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोनों नेता एयर स्ट्रिप पहुंचे और स्टाफ के साथ विमान में सवार हुए।विमान को उड़ान के लिए तैयार किया गया, लेकिन कुछ देर बाद तकनीकी खराबी सामने आई।

संसद परिसर में विपक्षीय सांसदों का प्रदर्शन

नयी दिल्ली। कांग्रेस तथा विपक्षी दलों के सांसदों में चढ़ावा चोरी तथा छात्रों पर पुलिस कार्रवाई पर सरकार से जवाब देने की अपनी मांगों के समर्थन में मंगलवार को संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले संसद भवन परिसर में बुधवार को भी प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारी संसद हाथों में बैनर और तख्तिया लेकर सरकार विरोधी नारे लगाते रहे। प्रदर्शनकारी सांसद गृहमंत्री अमित शाह से पुलिस करवाई पर जवाब देने और चढ़ावा चोरी मामले की व्यापक जांच करने की मांग कर रहे थे।

बारिश की बौछारों के बीच प्रदर्शन करने वाले सांसदों में कांग्रेस की प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव, अवधेश प्रसाद, तृणमूल कांग्रेस की प्रतिमा मंडल, झारखंड मुक्ति मोर्चा, शिवसेना उद्धव गुट तथा अन्य कई दलों के संसद सदस्य मौजूद थे।

संसद में हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही लगातार बाधित हो रही

सरकार छात्र आंदोलन पर संसद में चर्चा और गृहमंत्री के जवाब के लिए हुई तैयार

नयी दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में जारी गतिरोध को तोड़ने के लिए सरकार ने सोमवार को विपक्ष के सामने राजधानी दिल्ली समेत देश के विभिन्न हिस्सों में छात्र आंदोलन से जुड़े सभी मुद्दों पर लोक सभा में विस्तृत चर्चा कराने का प्रस्ताव किया और कहा कि चर्चा का जवाब गृहमंत्री अमित शाह देने को तैयार हैं।

संसद और संसद के बाहर सरकार की ओर से कहा गया कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष को भी जवाब सुनने के लिए तैयार रहना होगा।

सरकार की इस पेशकश के बावजूद सोमवार को भी दोनों सदनों में विपक्ष के हंगामे के चलते कार्यवाही बाधित हुई। विपक्ष दिल्ली में 20 जुलाई को काक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान राजधानी में युवाओं पर पुलिस कार्रवाई पर गृहमंत्री के बयान की मांग पर अड़ा है और संसद में हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही लगातार बाधित हो रही है। सरकार की ओर से गृहमंत्री की ओर से जवाब का प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब मानसून सत्र में तीन सप्ताह की कार्यवाही में अधिकांश समय विपक्ष के हंगामे की भेट चढ़ चुका है। कुछ विधेयक विना चर्च के विपक्ष की नारेबाजी और बहिर्गमन के बीच पारित हुए हैं। इस सत्र में अब मात्र तीन दिन बचे हैं।

सोमवार को सरकार की ओर से पहले संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू और फिर शाम को भाजपा के पूर्व अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जीपी नड्डा ने छात्र आंदोलन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने की पेशकश की । उन्होंने विपक्ष , खास कर कांग्रेस पर हमला भी बोला और कहा कि वह असल में चर्चा से भाग रही है। रिजीजू ने लोक सभा में दो बार के स्थगन के बार अपराह्न दो बजे कार्यवाही शुरू होने पर विपक्ष के शोर-शराबे के बीच कहा, ' सरकार छात्रों के मुद्दे पर पूर्ण रूप से चर्चा कराने को तैयार है। हम एक-एक मुद्दे का जवाब देंगे।' उनके इस वक्तव्य पर पीठासीन जगदम्बिका पाल ने विपक्ष से सदन में व्यवस्था बनाये रखने की अपील करते हुए कहा, 'संसदीय कार्यमंत्री ने कह दिया है कि गृहमंत्री चर्चा का जवाब देने को तैयार। मैं आप (विपक्ष) से अपील करता हूं कि आप सदन में व्यवस्था बनाये और सदन चलने दें। पाल ने विपक्ष से कहा , ' मानसून सत्र के पहले तीन सप्ताह का अधिकांश समय बर्बाद हो चुका हैं, इसके लिए जिम्मेदार कौन है? आप का सौभाग्य है कि आप को लोगों ने चुन कर यहां भेजा है। उनके प्रति आप की जवाबदेही बनती है। रिजीजू ने सदन के बाहर भी संवाददाताओं से बातचीत में कहा , 'बीएसी (सदन की कार्य-मंत्रणा समिति) की बैठक में सरकार ने साफकह दिया है कि वह छात्रों के आंदोलन और उससे जुड़ी सभी गतिविधियों (घटनाओं) और बातों पर सदन में चर्चा कराने को तैयार है। उन्होंने कहा, 'विपक्ष ने गृहमंत्री के बयान की मांग की थी। हमने स्पष्ट किया कि सरकार देश भर में छात्र आंदोलनों पर पूरी चर्चा कराने को तैयार है। गृहमंत्री एक-एक मुद्दे का जवाब देंगे पर आप को भी आश्वस्त करना पड़ेगा कि आप जवाब सुनेंगे।'

एसपी एवं जिला पंचायत सीईओ ने स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों का किया स्थल निरीक्षण

स्वतंत्रता दिवस परेड की तैयारी तेज: एसपी बेमेतरा त्रिलोक बंसल ने ऐतिहासिक बेसिक स्कूल परेड ग्राउंड बेमेतरा में पूर्वाभ्यास का लिया जायजा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय मुख्य समारोह को भव्य, गरिमामय एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न करने के उद्देश्य से एसपी बेमेतरा त्रिलोक बंसल एवं जिला पंचायत सीईओ सुश्री प्रेमलता मंडावी ने बेमेतरा के ऐतिहासिक बेसिक स्कूल परेड ग्राउंड में प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर-आयोजित होने वाली सेरेमोनियल परेड को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं, एसपी बेमेतरा त्रिलोक बंसल एवं जिला पंचायत सीईओ सुश्री प्रेमलता मंडावी ने ऐतिहासिक बेसिक स्कूल परेड ग्राउंड बेमेतरा में चल रहे परेड के पूर्वाभ्यास का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परेड की अनुशासन, समन्वय और सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से

जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसपी बेमेतरा त्रिलोक बंसल ने मौजूद अधिकारियों और जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमामय, अनुशासित और सुरक्षित माहौल में संपन्न हो। उन्होंने पूर्वाभ्यास को और अधिक सुदृढ़ करने तथा तय मानकों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया। जिला एवं पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कार्यक्रम के दौरान किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बेमेतरा पुलिस 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह को सफल बनाने के लिए पूरी तरह तत्पर है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परेड, झांकी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मंच व्यवस्था, ध्वजारोहण, अतिथि स्वागत, बैठक व्यवस्था, पेयजल, विद्युत, स्वच्छता, यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था सहित आवश्यक व्यवस्थाओं की बिंदुवार जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा - निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ सुश्री प्रेमलता मंडावी ने मंच व्यवस्था, बैठक क्षमता, प्रवेश एवं निकास मार्ग, पार्किंग, दिव्यांग जन एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सुविधा, पेयजल व्यवस्था प्रबंध की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि किसी भी आगंतुक को असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह केवल शासकीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी का उत्सव है, जिसमें जिले के नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। अतः सभी व्यवस्थाएं जनहित केंद्रित हों। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज, रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा सोनल ग्वाला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी, जवान एवं स्कूली छात्र - छात्राएं उपस्थित रहे।

रायगढ़ जिले में बिना लाइसेंस फलफुल रहा है सूदखोरी का कारोबार

रायगढ़ /मूक पत्रिका

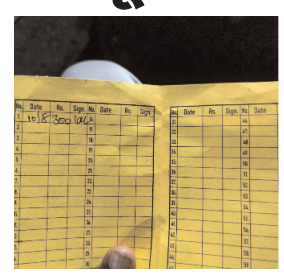

रायगढ़ जिले में तेजी से सूदखोरी का कारोबार फल-फूल रहा है। सूदखोरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। गली-गली में पांच से 10 प्रतिशत ब्याज पर पैसे देने वाले सक्रिय हैं।

यह सूद छोटे दुकान जैसे सब्जी दुकान, फल दुकान, गुमटी चाय की दुकान व छोटे दुकानदार को दिया जाता है छोटे दुकानदारो की मज़बूरीवस छोटे-छोटे कारोबारियों को मामूली रकम देकर यह कारोबारी कई गुना पैसे वसूल रहा है दुकानदारो को पैसा देने के बाद जो कार्ड बना कर दुकानदारो को दिया जाता है उस कार्ड मे अम्मान थुनाई नमक व्यक्ति जिसका मो. 9039949700 ये न. लिखा ये कार्ड दूकानदारों को पैसा देने समय दिया जाता है यह दूसरा केश =ह्यद्वद्ध पास बुक मे मो.न.9039 394131 लिखा हैं इनके द्वारा दुकानदार को पैसा देते समय यह ह्यद्वद्ध लिखा हुआ

पास बुक दिया जाता है जिसमे दुकानदार 4000 हजार लिया तो 15 दिन मे 300 के हिसाब से 4500 देना है ह्यद्वद्ध पास बुक मे मो.न.9039 394131 लिखा हैं जब हमारे सवाददाता ने इसकी हकीकत जानने के लिए फोन किया तो फोन नहीं उठाया गया इस तरह से कारोबार के लिए व्यापारियों को कम ब्याज पर पैसे देकर चंगुल में फंसाने के बाद सूदखोर 10 से 20 प्रतिशत तक ब्याज वसूल रहे हैं। ब्याज पर पैसा लेने वालों को इस कदर परेशान किया जा रहा है कि कारोबारी घर से भागने को मजबूर हो रहे हैं।

ब्याज पर पैसा देने वालों के लिए साहूकारी लाइसेंस अनिवार्य किया गया है, लेकिन 90 प्रतिशत लोगों के पास लाइसेंस नहीं है। जिम्मेदार अफसर लाइसेंस बनाने की सुध नहीं ले रहे हैं अब आगे है देखना होगा की खबर प्रकाशित होने के बाद आगे इन सुदखोरो के ऊपर आने वाले समय मे किस प्रकार की कार्यवाही की जाती है

हर साल सौ से भी ज्यादा लड़कियां हो रही गुम, बरामदगी भी

रायगढ़ /मूक पत्रिका

नाबालिग बालिकाओं को भगा ले जाने पर कानून सख्त हो गए हैं। प्रेम संबंध में भी बालिकाएं घर से भाग रही हैं। लड़कों की तुलना में पांच गुना बालिकाएं गुम हो रही हैं। पुलिस इनकी बरामदगी भी कर रही है लेकिन जब तक ये घर वापस लौटती हैं, समाज में इनका सम्मान तार-तार हो चुका होता है। कितनी भी समझाइश दे दें, कितने जागरूकता अभियान चलाए जाएं, नाबालिगों के गुम होने का सिलसिला जारी है। बालकों के मुकाबले बालिकाओं की संख्या बहुत ज्यादा है। रिपोर्ट होने के बाद खोजबीन करते-करते कभी दस दिन, कभी दस महीने तो कभी दो साल लग जाते- बीते तीन सालों के

आंकड़े देखें तो पता चलता है कि बालकों से ज्यादा बालिकाओं के गुम होने के मामले हैं। वर्ष 2024 में रायगढ़ जिले में 19 बालक और 137 बालिकाएं गुम हुई थी। इसी वर्ष 18 बालक और 136 बालिकाओं को खोज निकाला गया। इसी तरह 2025 में 32 बालक और 139 बालिकाओं के गुम होने के केस दर्ज हुए थे। वहीं 30 बालक और 135 बालिकाएं बरामद हुए। जून 2026 तक की स्थिति 18 बालक और 103 बालिकाएं गुम हो चुकी हैं। पुलिस ने इस साल 12 बालक और 77 बालिकाओं को ढूंढ़ लिया है। तीनों वर्षों के आंकड़े देखें तो साफ पता चल रहा है कि बालिकाओं को प्रेमजाल में फंसाकर भगा ले जाने के मामले बहुत ज्यादा हैं। पहले के वर्षों में गायब हुई सभी बच्चियां बरामद नहीं हो सकी हैं।

मानव तस्करी पर लगाम, लेकिन पहले के मामले लम्बित

हाल के वर्षों में पुलिस ने नाबालिगों को खोजने के काम में तेजी दिखाई है जिसकी वजह से मानव तस्करी कम हुई है। पहले लैलूंगा और धरमजयगढ़ में हर साल सैकड़ों नाबालिग और वयस्क गायब होते रहे। बड़े शहरों में उनको बेच दिया गया। अब जागरूकता और सख्ती की वजह से ऐसी घटनाएं कम हुई हैं।

बागमुड़ा तालाब को पुनः गंदा करने की साजिश? विकास विरोधी तत्वों की गतिविधियों पर उठे गंभीर सवाल

सफाई के बाद कभी जलकुंभी डालने तो कभी तालाब के मेड़ से छेड़छाड़ के प्रयास का आरोप, भड़के घरघोड़ा के बाशिंदे

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

घरघोड़ा के बाशिंदों की लंबे समय से चली आ रही मांग और लगातार प्रयासों के बाद बागमुड़ा तालाब की सफाई कर उसे नया स्वरूप दिया गया। जिस तालाब में कभी जलकुंभी और गंदगी के कारण पानी तक दिखाई देना मुश्किल था, आज वह काफी हद तक साफ नजर आने लगा है। लेकिन, सफाई के बाद तालाब को दोबारा गंदा करने की कथित कोशिशों ने नगरवासियों की चिंता बढ़ा दी है। नगरवासियों का आरोप है कि कुछ विकास विरोधी और विघ्नसंतोषी तत्वों द्वारा बागमुड़ा तालाब को पुनः गंदा करने के लिए बार-बार ऐसी गतिविधियां की जा रही हैं। कभी तालाब में जलकुंभी एवं जलीय वनस्पतियां पहुंचने की बात सामने आती है, तो कभी रात के अंधेरे में तालाब की मेड़ और पानी के निकासी

मार्ग से छेड़छाड़ किए जाने की शिकायत सामने आती है। हाल ही में ऐसी ही घटना में छोटे मुड़ा की ओर से गंदा पानी, कचरा और पत्तियों का पानी बागमुड़ा तालाब की ओर पहुंचने की स्थिति सामने आई। नगरवासियों की शिकायत के बाद नगर पंचायत ने तत्काल मौके पर पहुंचकर पानी के इस प्रवाह को रोकने की कार्रवाई की।सवाल यह है कि तालाब साफ होने के बाद आखिर बार-बार ऐसी स्थिति क्यों बन रही है? लोगों का कहना है कि यदि यह सब प्राकृतिक कारणों से हो रहा है तो इसका स्थायी समाधान किया जाना चाहिए। लेकिन यदि किसी व्यक्ति द्वारा जानबूझकर तालाब को गंदा करने या सफाई के बाद उसकी स्थिति फिर खराब करने का प्रयास किया जा रहा है, तो पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों की पहचान की जानी चाहिए।।बागमुड़ा तालाब की सफाई किसी एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं है। जनता, जनप्रतिनिधियों और नगर पंचायत के सामूहिक प्रयास से यह काम संभव हुआ है। ऐसे में सार्वजनिक संपत्ति को दोबारा खराब करने का कोई भी प्रयास सीधे तौर पर पूरे नगर के हित के विरुद्ध माना जाएगा।नगरवासियों का कहना है कि घरघोड़ा में सड़क, नाली, तालाब, भवन और अन्य जनहित के विकास कार्यों को लेकर यदि किसी को कोई आपत्ति है तो वह नियम और तथ्यों के आधार पर अपनी शिकायत दर्ज कराए। लेकिन विकास कार्य रुकवाने या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जानी चाहिए। यह भी चर्चा है कि कुछ लोग लंबे समय से नगर के विभिन्न विकास कार्यों को लेकर विरोध की स्थिति पैदा करते रहे हैं। यदि किसी कार्य में वास्तविक अनियमितता है तो उसकी जांच होनी चाहिए, लेकिन हर विकास कार्य को विवाद में डालने की प्रवृत्ति से अंततः नुकसान घरघोड़ा की जनता का ही होता है। पब्लिक का स्पष्ट कहना है कि घरघोड़ा को आपसी विवाद और खींचतान नहीं, बल्कि विकास, स्वच्छता और बेहतर नागरिक सुविधाओं की जरूरत है। इसी विषय को लेकर घरघोड़ा के नागरिकों, पत्रकारों एवं प्रबुद्धजनों ने नगर पंचायत अध्यक्ष के निवास पर पहुंचकर पूरे मामले पर गंभीर विचार-विमर्श करते हुए यह चिंता भी जताई कि यदि सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने अथवा विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न करने की शिकायतें सामने आती हैं, तो ऐसे मामलों में तथ्यों के आधार पर ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

41 कॉलोनियों से एग्रीमेंट भी नहीं, कब्जा प्रतिवेदन भी गायब, रजिस्ट्री और नामांतरण में भी गड़बड़ी

आपकी ईडब्ल्यूएस जमीनें कहां हैं, कब ढूंढेगी निगम सरकार?

रायगढ़ /मूक पत्रिका

निजी कॉलोनियों में आर्थिक रूप से कमजोर आय वर्ग के लिए जमीन छोड़े जाने का नियम है। नगर निगम क्षेत्र में 41 कॉलोनाइजरों ने जमीन देने की जानकारी तो दी लेकिन कहां दी, निगम को भी नहीं पता। कुछ ने कॉलोनी के अंदर जमीन दी तो कुछ ने बाहर दूसरे गांव में। इनकी फाइलें नगर निगम में धूल खा रही हैं। करीब 20-25 एकड़ जमीन है जिसे हड़प लिया गया है। प्राइवेट कॉलोनियों में कुछ हिस्सा ईडब्ल्यूएस के लिए

आरक्षित रखा जाना था। बिल्डरों ने इसे अपने हिसाब से बदलकर बाहर दूसरे गांवों में जमीन दे दी। निगम को इसकी सूचना दी। आगे कोई कार्रवाई नहीं की गई जिसकी वजह से जमीनों का परीक्षण भी नहीं किया जा सका।

छह-सात साल पहले तक नगर निगम का कामकाज बेहद संदेहास्पद था। ईडब्ल्यूएस के लिए दी गई जमीन तक पहुंचने का रास्ता ही नहीं है। 41 कॉलोनियों ने करीब 30 एकड़ जमीन निगम को दी थी। कुछ ने ईडब्ल्यूएस आवास का निर्माण कराया है। जिन कॉलोनाइजरों ने जमीन दी है, उनसे एग्रीमेंट तक नहीं कराया गया। जमीन का परीक्षण करके कब्जा प्रतिवेदन दिया जाना था। निकाय के खाते में नामांतरण या रजिस्ट्री करवाई जानी थी। नगर निगम क्षेत्र में विकास कार्यों की झड़ी लगी है लेकिन इतनी जमीनों की खोज ही नहीं की जा रही है।

नामांतरण का कोई प्रमाण नहीं-कई कॉलोनियों ने जहां जमीन दी, उसे निगम के खाते में दर्ज नहीं किया गया है। उदाहरण के लिए गगन राठी ने चैतन्य नगर के लिए 8.32 हे. में अनुमति ली थी। 0.298 हे. भूमि ईडब्ल्यूएस के लिए दी लेकिन निगम का कब्जा नहीं है। सिंघानिया कॉलोनी के लिए पांच खसरा नंबरों की 6.54 हे. पर अनुज्ञा दी गई। इसके एवज में 0.389 हे. ईडब्ल्यूएस के लिए जमीन दी गई। यह जमीन कहां है, किसी ने खोजा ही नहीं। दोनों कॉलोनियों में क्षेत्रफल के अनुपात में जमीन नहीं दी गई।

सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए मिनीमाता का योगदान सदैव प्रेरणादायी : आशीष छाबड़ा

मिनीमाता की पुण्यतिथि पर राजीव भवन में श्रद्धांजलि सभा, कांग्रेसजनों ने किया नमन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ की महान समाजसेविका, जननेत्री एवं नारी सशक्तिकरण की प्रेरणास्रोत मिनीमाता जी की पुण्यतिथि के अवसर पर जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन, बेमेतरा में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आशीष छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजनों ने मिनीमाता जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस

अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने कहा कि मिनीमाता जी ने अपना संपूर्ण जीवन सामाजिक समरसता, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा तथा वंचित एवं कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया। उन्होंने समाज में व्याप्त भेदभाव और कुरीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुए महिलाओं और वंचित वर्गों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।उन्होंने कहा कि मिनीमाता जी का संघर्ष, सेवा भावना, सरल व्यक्तित्व और जनकल्याण के प्रति समर्पण आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने सामाजिक न्याय और समानता के मूल्यों को मजबूत करने के लिए जीवनभर कार्य किया। उनका जीवन समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय, सम्मान और अवसर पहुंचाने की प्रेरणा देता है।

श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित कांग्रेसजनों ने मिनीमाता जी के आदर्शों एवं विचारों को आत्मसात करते हुए सामाजिक समरसता, समानता और जनसेवा के मार्ग पर निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

इस दौरान प्रांजल तिवारी, रश्मि मिश्रा, सुमन गोस्वामी, रवि रजक, ललित विश्वकर्मा, मनोज शर्मा, निलेश ठाकुर, मोहित वर्मा, जनता साहू, हेमिन यादव, सहोदरा नवरंगे, टोकेश्वर साहू, जोगेंदर छाबड़ा, नारायण छाबड़ा, गुरेंद्र वर्मा, शुभम सोनी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस परिवार के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सिगरेट और तंबाकू उत्पादों की बिक्री-सेवन पर क्या है कोटपा एक्ट? जानिए कानून, धाराएं और जुर्माने के प्रावधान..

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत तंबाकू और अन्य तंबाकू उत्पादों के सेवन से होने वाले नुकसान को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। तंबाकू के सेवन से होने वाली हानियों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय समाज को तंबाकू मुक्त बनाना है। इसी उद्देश्य से सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 के तहत कई तरह के प्रतिबंध और कानूनी प्रावधान किए गए हैं। तंबाकू उत्पादों के क्रय-विक्रय, 18 वर्ष से कम उम्र के लोगों को तंबाकू की बिक्री, शैक्षणिक संस्थानों के आसपास बिक्री, सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान, विज्ञापन और तंबाकू उत्पादों के भंडारण आदि को लेकर व्यापारियों और होटल संचालकों को नियमों की

जानकारी होना जरूरी है। नियमों का पालन करने से कार्रवाई और जुर्माने से बचा जा सकता है।

कोटपा एक्ट की प्रमुख धाराएं और सजा- धारा 4 : सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान प्रतिबंधित - कोटपा एक्ट की धारा 4 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करना प्रतिबंधित है। नियम का उल्लंघन करने पर 200 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। जुर्माना देने से इंकार करने पर हिरासत में लिए जाने का प्रावधान भी बताया गया है।

धारा 5 : तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन पर रोक-धारा 5 के तहत सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन पर प्रतिबंध है। इसके उल्लंघन पर पहली बार 1,000 रुपये तक का जुर्माना या 2 वर्ष तक की कारावास या दोनों का प्रावधान है। वहीं दूसरी बार उल्लंघन करने पर 5,000 रुपये तक का जुर्माना या 5 वर्ष तक की कारावास हो सकती है।

धारा 6 : 18 वर्ष से कम उम्र के लोगों को बिक्री पर रोक-धारा 6 के तहत 18 वर्ष से कम उम्र के व्यक्ति को सिगरेट या अन्य तंबाकू उत्पाद बेचना, बिक्री के लिए उपलब्ध कराना या बिक्री की अनुमति देना प्रतिबंधित है।

धारा 6 ( ) के तहत 18 वर्ष से कम उम्र के व्यक्ति को तंबाकू उत्पाद बेचने पर कार्रवाई का प्रावधान है।

धारा 6 (क्) के तहत किसी शैक्षणिक संस्थान की 100 गज की परिधि में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित है। इन नियमों के उल्लंघन पर 200 रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। नियमों का पालन नहीं करने पर हिरासत में लिए जाने का भी प्रावधान बताया गया है।

धारा 7 : पैकेट पर सचित्र स्वास्थ्य चेतावनी जरूरी-कोटपा एक्ट की धारा 7 के तहत सभी तंबाकू उत्पादों की पैकिंग पर सचित्र स्वास्थ्य चेतावनी होना जरूरी है। पहली बार उल्लंघन करने पर निर्माता के खिलाफ 5,000 रुपये तक का जुर्माना या 2 वर्ष तक की कारावास का प्रावधान है। दोबारा उल्लंघन करने पर 10,000 रुपये तक का जुर्माना या 5 वर्ष तक की कारावास हो सकती है। इसी तरह विक्रेता या वितरक के खिलाफ भी कार्रवाई हो सकती है। पहली बार अपराध पर 1,000 रुपये तक का जुर्माना या 1 वर्ष तक की कारावास या दोनों तथा दोबारा अपराध करने पर 3,000 रुपये तक का जुर्माना या 2 वर्ष तक की कारावास का प्रावधान बताया गया है।

किन स्थानों पर धूम्रपान प्रतिबंधित है?-कोटपा एक्ट में सार्वजनिक स्थानों को भी परिभाषित किया गया है। इनमें प्रेक्षागृह (ऑडिटोरियम), खुले प्रेक्षागृह, स्टेडियम, स्वास्थ्य संस्थान, अस्पताल भवन, कार्यस्थल, शैक्षणिक संस्थान, पुस्तकालय, मनोरंजन केंद्र, सिनेमा घर, शॉपिंग मॉल, रेस्तरां, होटल, जलपान कक्ष, कॉफी हाउस, रेलवे स्टेशन, बस स्टॉप, हवाई अड्डे, सरकारी कार्यालय, न्यायालय भवन, सार्वजनिक वाहन, डिस्कोथेक, पब और बार आदि शामिल हैं। इन स्थानों के मालिक, स्वामी, प्रबंधक या पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी है कि वे धूम्रपान संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित कराएं।भवन के प्रवेश द्वार और यदि भवन में एक से अधिक मंजिल हैं तो प्रत्येक मंजिल पर माचिस, ऐशट्रे, लाइटर या धूम्रपान से संबंधित अन्य वस्तुएं उपलब्ध नहीं कराई जानी चाहिए। इन व्यवस्थाओं की निगरानी की जिम्मेदारी संबंधित मालिक या प्रबंधक की होगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई और जुर्माना हो सकता है।नियमानुसार संबंधित स्थान पर स्मोकिंग जोन बनाया जा सकता है, लेकिन उसके संबंध में स्पष्ट रूप से सूचना प्रदर्शित करना जरूरी होगा।

धूम्रपान रहित क्षेत्र का बोर्ड लगाना जरूरी-सार्वजनिक स्थानों के मालिकों को धूम्रपान रहित क्षेत्र (ह्श स्द्बश्व्मद्बठ्ठद्द॰ ह्ल्द्गड्ड) का बोर्ड लगाना आवश्यक है। बोर्ड का आकार 30 सेंटीमीटर × 60 सेंटीमीटर होना चाहिए। बोर्ड पर मालिक का नाम और फोन नंबर भी अंकित होना चाहिए। इसी तरह शैक्षणिक संस्थानों में ÷तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान÷ का बोर्ड लगाया जाना जरूरी है। इसमें यह जानकारी प्रदर्शित की जानी चाहिए कि शैक्षणिक संस्थान के 100 गज के दायरे में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री दंडनीय अपराध है। नियम के उल्लंघन पर 200 रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। इस बोर्ड पर संस्था प्रभारी का नाम, पदनाम और मोबाइल नंबर भी अंकित किया जाना चाहिए।

तंबाकू मुक्त समाज बनाने का उद्देश्य-राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को तंबाकू और इससे जुड़े उत्पादों के नुकसान के प्रति जागरूक करना तथा विशेष रूप से बच्चों और युवाओं को तंबाकू की लत से दूर रखना है। कोटपा एक्ट के प्रावधानों की जानकारी व्यापारियों, होटल संचालकों, शिक्षण संस्थानों और आम नागरिकों को होना जरूरी है, ताकि नियमों का पालन किया जा सके। इन सभी प्रावधानों का मुख्य उद्देश्य बच्चों और युवाओं को तंबाकू उत्पादों से दूर रखना, सार्वजनिक स्थानों को धूम्रपान मुक्त बनाना और समाज को तंबाकू मुक्त दिशा में आगे बढ़ाना है।

जिला पंचायत सीईओ सुश्री प्रेमलता पद्माकर ने ली विभागीय समीक्षा बैठक

लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण और 'हर घर तिरंगा' अभियान को सफल बनाने दिए निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री प्रेमलता पद्माकर ने बीते मंगलवार को जिला कार्यालय के दिशा सभाकक्ष में विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों एवं शासन की प्राथमिकता वाले कार्यो की समीक्षा के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभागवार कार्यो की प्रगति की जानकारी लेते हुए सभी अधिकारियों को शासन की प्राथमिकता वाले कार्यो का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश-समीक्षा बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुश्री पद्माकर ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, समय-सीमा एवं जनशिकायतों से संबंधित लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ

निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का संवेदनशीलता एवं गंभीरता से निराकरण करने तथा शिकायतकर्ता को संतुष्टिपूर्ण समाधान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही समय-सीमा वाले प्रकरणों का निराकरण निर्धारित डेडलाइन से पहले करने पर विशेष जोर दिया।

'हर घर तिरंगा' अभियान में जनभागीदारी बढ़ाने के निर्देश-स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित किए जा रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान की तैयारियों की भी बैठक में समीक्षा की गई। सुश्री पद्माकर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान को जिले में व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाया जाए। उन्होंने कहा कि जिले के अधिक से अधिक घरों, शासकीय भवनों, विद्यालयों एवं पंचायत भवनों में तिरंगा फहराने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाए।उन्होंने अभियान के संबंध में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा आमजन, जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, स्व-सहायता समूहों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा-बैठक में आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय सहित सभी जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रमों की सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने तथा समारोह को गरिमामय, सुव्यवस्थित एवं उत्साहपूर्ण ढंग से आयोजित करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ सुश्री प्रेमलता पद्माकर ने कहा कि शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए प्रत्येक पात्र हितग्राही को योजनाओं का लाभ दिलाना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी अधिकारियों से विभागीय कार्यों में तत्परता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने तथा आमजन की समस्याओं के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही।बैठक में अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज, अपर कलेक्टर गुड्डू लाल जगत सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित थे।

12 सितम्बर को आयोजित होगी नेशनल लोक अदालत, अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण पर जोर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन में वर्ष 2026 की तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन 12 सितम्बर 2026 को किया जाएगा। लोक अदालत की तैयारियों एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के अधिक से अधिक निराकरण के संबंध में आज बैंक, विद्युत विभाग, बीएसएनएल एवं नगर पालिका परिषद के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक श्रीमती सरोज नंद दास, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की अध्यक्षता में तथा श्रीमती स्वर्णलता ओम यादव, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की उपस्थिति में आयोजित हुई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों से प्री-लिटिगेशन प्रकरणों को निर्धारित समय-सीमा में प्रस्तुत एवं पंजीकृत कराने तथा पक्षकारों को नोटिस की तामिली सुनिश्चित करने के संबंध में चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अधिक से अधिक प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का आपसी सुलह एवं समझौते के माध्यम से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैंक अधिकारियों को विशेष रूप से परक्राम्य लिखित अधिनियम की धारा 138 के अंतर्गत लंबित प्रकरणों में पक्षकारों के मध्य आपसी सुलह एवं समझौते के माध्यम से अधिक से अधिक मामलों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही बैंक रिकवरी से संबंधित प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में पक्षकारों को समय पर नोटिस की तामिली कराने तथा उनके साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में राजीनामा एवं समझौते के लिए प्रयास करने पर जोर दिया गया।बैठक में लीड बैंक मैनेजर, विभिन्न बैंकों के अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, विद्युत विभाग के अधिकारी तथा भारतीय दूरसंचार विभाग (बीएसएनएल) के अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों से नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अधिक से अधिक प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण की अपेक्षा की गई।

रायगढ़ : तमनार के कुंजेमुरा में नाला हुआ काला; सारदा एनर्जी की खदान से दूषित पानी छोड़ने का गंभीर आरोप

रायगढ/मूक पत्रिका

जिले के तमनार क्षेत्र के कुंजेमुरा से पर्यावरण प्रदूषण को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सारदा एनर्जी की खदान से निकलने वाला काले रंग का प्रदूषित पानी सीधे प्राकृतिक नाले में छोड़ा जा रहा है, जिससे नाले का पानी पूरी तरह काला और दूषित हो गया है।

ग्रामीणों के प्रमुख आरोप और चिंताएं-काले पानी का बहावः सामने आई तस्वीरों और स्थानीय सूचना के अनुसार, नाले में लगातार काले रंग का दूषित पानी बहता हुआ दिखाई दे रहा है।पर्यावरण और जलस्रोतों पर संकटः ग्रामीणों का कहना है कि खदान क्षेत्र से निकलकर नाले में मिल रहा यह गंदा

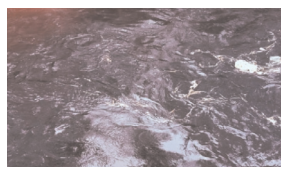

पानी आगे चलकर आसपास के अन्य जलस्रोतों, भूमिगत जल, कृषि भूमि और स्थानीय पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुँचा सकता है। नियमों की अनदेखीः ग्रामीणों का आरोप है कि खनन गतिविधियों से निकलने वाले अपशिष्ट और गंदे पानी के निष्कासन की उचित व्यवस्था होनी चाहिए थी, लेकिन कथित तौर पर बिना किसी उपचार के इसे सीधे प्राकृतिक नाले में बहाया जा रहा है।

उठ रहे बड़े सवाल-इस पूरी घटना के बाद क्षेत्र में कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं:क्या यह पानी वाकई खदान से निकलने वाला कोयला मिश्रित अपशिष्ट या दूषित पानी है?क्या बिना किसी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट या उचित उपचार के इस गंदे पानी को प्राकृतिक जलस्रोतों में छोड़ा जा रहा है?क्या संबंधित औद्योगिक प्रतिष्ठान पर्यावरण नियमों और मानकों का पालन कर रहा है?

प्रशासन और पर्यावरण विभाग की जिम्मेदारी-यदि खदान का यह दूषित पानी बिना उपचार के इसी तरह नालों में छोड़ा जाता रहा, तो इसका दूरगामी असर पानी, मिट्टी, खेती और जलीय जीवों पर पड़ना तय है। ऐसे में स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों ने जिला प्रशासन और पर्यावरण विभाग से मांग की है कि मामले की तत्काल निष्पक्ष जांच कराई जाए, मौके का मुआयना कर पानी के स्रोत और उसकी गुणवत्ता की पारदर्शी जांच हो, तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित प्रबंधन के खिलाफकड़ी कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से मिली शिकायत पर त्वरित कार्रवाई, मोहगांव एनीकट के जाम गेट हुए सुचारू

समयबद्ध निराकरण से किसानों एवं क्षेत्रवासियों को मिली राहत, जलभराव की आशंका हुई दूर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राज्य सरकार द्वारा आम नागरिकों की शिकायतों एवं समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिए संचालित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सुशासन और जनसेवा का प्रभावी माध्यम बन रही है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर संबंधित विभागों द्वारा त्वरित एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित कर नागरिकों को राहत पहुंचाई जा रही है। इसी क्रम में सीएम हेल्पलाइन टोकन क्रमांक ष्ट्ट260700074555, आवेदक श्री कादर खान द्वारा मोहगांव एनीकट के गेट लंबे समय से जाम होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी।शिकायत में बताया गया था कि एनीकट के गेट संचालित नहीं होने

के कारण जल निकासी प्रभावित हो रही है, जिससे आसपास के खेतों एवं भूमि में जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका बनी हुई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग द्वारा तत्काल आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की गई।विभागीय अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर मोहगांव एनीकट का स्थल निरीक्षण किया गया तथा गेटों की तकनीकी स्थिति का परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि तकनीकी समस्या के कारण गेटों के यांत्रिक भाग जाम हो गए थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विभाग द्वारा विद्युत यांत्रिकी विभाग से समन्वय स्थापित कर संयुक्त रूप से आवश्यक मरम्मत कार्य कराया गया।तकनीकी टीम द्वारा एनीकट के सभी गेटों के आवश्यक यांत्रिक भागों की ऑयलिंग एवं ग्रीसिंग की गई तथा आवश्यक तकनीकी सुधार के बाद गेटों को सफलतापूर्वक संचालित किया गया। कार्यवाही के पश्चात एनीकट के सभी गेट सुचारू एवं सुरक्षित रूप से खुल गए और जल का प्रवाह सामान्य रूप से प्रारंभ हो गया।

गेटों के सुचारू संचालन एवं जल निकासी बहाल होने से आसपास के खेतों और भूमि में संभावित जलभराव तथा बाढ़ जैसी स्थिति की आशंका दूर हो गई। इससे किसानों एवं क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिली तथा एनीकट की जल प्रबंधन क्षमता एवं कार्यप्रणाली भी पुनः सुचारू हो गई।मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायत पर विभाग द्वारा त्वरित स्थल निरीक्षण, तकनीकी परीक्षण, संबंधित विभागों के बीच समन्वय और आवश्यक मरम्मत कार्य कराते हुए समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया गया। यह कार्रवाई राज्य सरकार की जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता, त्वरित प्रशासन और जवाबदेह सुशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।राज्य सरकार का उद्देश्य है कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान केवल शिकायत दर्ज होने तक सीमित न रहे, बल्कि संबंधित विभाग द्वारा मौके पर कार्रवाई कर समयबद्ध, प्रभावी और संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन इसी जनोन्मुखी प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर रही है।

एसकेए कंपनी के खिलाफ श्रमिकों ने खोला मोर्चा, भुगतान में कटौती को लेकर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, दोनों पक्षों को दी गई समझाइश

रायगढ/मूक पत्रिका

एसईसीएल छाल उपक्षेत्र के अंतर्गत ओबी और कोयला ठेका कंपनी एसकेए में काम करने वाले श्रमिकों की समस्याओं को लेकर प्रशासन ने त्रिपक्षीय बैठक की। श्रमिकों ने बुधवार को तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर एचपीसी दर के अनुसार भुगतान नहीं करने समेत कई समस्याओं की शिकायत की थी। श्रमिकों ने आरोप लगाया कि कंपनी में कार्यरत सभी मजदूरों को शासन की ओर से निर्धारित एचपीसी दर के अनुसार भुगतान नहीं किया जा रहा है। इसके अलावा कुछ श्रमिकों को अकाउंट के जरिए भुगतान किया जाता है, जबकि अन्य को नगद राशि दी जाती है। भुगतान में कटौती किए जाने की शिकायत भी श्रमिकों ने की है। श्रमिकों का कहना है कि उन्हें भुगतान की पेमेंट स्लिप नहीं दी

जाती। स्लिप मांगने पर कंपनी प्रबंधन की ओर से टालमटोल की जाती है। इसके अलावा अब तक किसी भी श्रमिक को बोनस की राशि नहीं दिए जाने की बात ज्ञापन में कही गई है।

खाना और कमरे के नाम पर 6 हजार कटौती-श्रमिकों ने बताया कि जो कर्मचारी अपने घर से कंपनी आते-जाते हैं और कंपनी में खाना नहीं खाते, उनके वेतन से भी खाना और कमरे के नाम पर हर महीने 6 हजार रुपए काटे जाते हैं। श्रमिकों ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें जरूरी सुरक्षा किट उपलब्ध नहीं कराई जाती। श्रमिकों का आरोप है कि जब वे इन समस्याओं को लेकर कंपनी प्रबंधन से बात करते हैं तो उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। श्रमिकों ने प्रशासन से मामले में उचित कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत के बाद प्रशासन ने श्रमिकों और कंपनी प्रबंधन के बीच त्रिपक्षीय वार्ता कराई। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ श्रम विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कंपनी प्रबंधन को श्रम कानूनों का पालन करने और सभी श्रमिकों को अकाउंट के जरिए भुगतान करने के निर्देश दिए। साथ ही दोनों पक्षों को शांति व्यवस्था बनाए रखने की समझाइश दी गई।

कानून का उल्लंघन करने पर कार्रवाई-तहसीलदार छाल लोमेश मिरी ने बताया कि एसकेए कंपनी के श्रमिकों और प्रबंधन को बैठक के लिए बुलाया गया था। प्रशासन और श्रम विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में दोनों पक्षों की समस्याएं सुनी गईं और श्रम कानूनों का पूरी तरह पालन करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शांति व्यवस्था भंग करने या कानून का उल्लंघन करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारी को रायपुर एयरपोर्ट छोड़कर लौट रहा था रायगढ़, सरायपाली रोड पर अनियंत्रित होकर पलटी स्कॉर्पियो, नौकरी और मुआवजे की मांग को लेकर परिजनों का प्रदर्शन

एनटीपीसी के अधिकारी का ड्रायवर सड़क हादसे का हुआ शिकार

रायगढ/मूक पत्रिका

एनटीपीसी लारा के एक अधिकारी को रायपुर एयरपोर्ट छोड़कर वापस लौट रही स्कॉर्पियो रविवार को सरायपाली रोड पर सड़क हादसे का शिकार हो गई। तेज रफ्तार में अनियंत्रित होकर स्कॉर्पियो सड़क पर पलट गई। हादसे में वाहन चालक देवेंद्र साव की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद वाहन में सवार एनटीपीसी का एक अन्य व्यक्ति मौके से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, एनटीपीसी लारा में कार्यरत एक अधिकारी को रायपुर एयरपोर्ट छोड़ने के बाद स्कॉर्पियो चालक देवेंद्र साव वापस लारा लौट रहा था। इसी दौरान सरायपाली रोड पर वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना

इतनी भीषण थी कि चालक देवेंद्र साव गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। पुलिस को भी घटना की जानकारी दी गई, जिसके बाद शव को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा गया। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतक देवेंद्र साव के परिजनों और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। परिजनों का आरोप है कि देवेंद्र साव एनटीपीसी के लिए वाहन चलाने का काम करता था और हादसे में उसकी जान चली गई, लेकिन परिवार के सामने अब आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। घटना से नाराज परिजन शव को एनटीपीसी लारा गेट के बाहर रखकर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने मृतक के परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने तथा उचित मुआवजा प्रदान करने की मांग की है। परिजनों का कहना है कि देवेंद्र साव की मौत से परिवार ने अपना कमाने वाला सदस्य खो दिया है। ऐसे में परिवार के भविष्य को देखते हुए एनटीपीसी प्रबंधन को पीड़ित परिवार की जिम्मेदारी उठानी चाहिए। इसी मांग को लेकर परिजनों और ग्रामीणों का प्रदर्शन जारी है। वहीं, स्कॉर्पियो में सवार एनटीपीसी के एक अन्य व्यक्ति के घटना के बाद मौके से चले जाने की बात सामने आई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और हादसे से जुड़े सभी पहलुओं को खंगाला जा रहा है। फिलहाल नौकरी और मुआवजे की मांग को लेकर एनटीपीसी लारा गेट के बाहर परिजनों का धरना जारी है। मामले में पुलिस की जांच और एनटीपीसी प्रबंधन की ओर से लिए जाने वाले निर्णय के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। समाचार लिखे जाने तक मृतक के परिजनों व ग्रामीणों का मौके पर धरना प्रदर्शन जारी था।

बिजली के बढ़ते दाम और स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस का जोरदार धरना-प्रदर्शन एवं पुतला दहन : आशीष छाबड़ा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार एवं जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के नेतृत्व में, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेरला के तत्वाधान में बिजली के बढ़ते दाम, स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं पर पड़ रहे अतिरिक्त आर्थिक बोझ तथा प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरोध में प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत बेमेतरा विधानसभा अंतर्गत पिरदा चौक, नगर पंचायत भिंभौरी में ब्लॉक स्तरीय धरना-प्रदर्शन एवं पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के अध्यक्ष आशीष छाबड़ा कांग्रेसजनों एवं क्षेत्रवासियों के साथ शामिल हुए और प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ मजबूती से आवाज बुलंद की। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए बिजली के बढ़े हुए दाम वापस लेने, स्मार्ट मीटर पर रोक लगाने तथा आम उपभोक्ताओं को राहत देने की मांग की। विरोध स्वरूप प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया गया। बिजली आम जनता की मूलभूत

आवश्यकता है, कोई विलासिता नहीं। प्रदेश सरकार द्वारा लगातार बिजली के दामों में वृद्धि किए जाने से गरीब, किसान, मजदूर, मध्यमवर्गीय परिवारों और छोटे व्यवसायियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। पहले से ही महंगाई की मार झेल रही जनता के लिए बिजली के बढ़े हुए बिल दोहरी मार साबित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर आम उपभोक्ताओं को राहत देने के बजाय नई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई उपभोक्ताओं में अधिक बिजली बिल आने को लेकर असंतोष है। सरकार को उपभोक्ताओं की समस्याओं का निराकरण करना चाहिए तथा बिजली के बढ़े हुए दाम तत्काल वापस लेकर स्मार्ट मीटर के स्थान पर पुराने सामान्य मीटर लगाने की दिशा में निर्णय लेना चाहिए। कांग्रेस का यह आंदोलन किसी राजनीतिक स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि आम जनता के हक, अधिकार और आर्थिक हितों की लड़ाई है। कांग्रेस पार्टी हमेशा जनहित के मुद्दों पर जनता के साथ खड़ी रही है। बिजली के बढ़े हुए दाम वापस लेने, 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना पुनः लागू करने, स्मार्ट मीटर पर रोक लगाने और उपभोक्ताओं को राहत देने की मांग को लेकर कांग्रेस का संघर्ष आगे भी निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि जब तक आम जनता को राहत नहीं मिलती, कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक जनता की आवाज मजबूती से उठाती रहेगी।

कांग्रेस की प्रमुख मांगें

1. बिजली के दामों में की गई बढ़ोतरी तत्काल वापस ली जाए।
2. 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना पुनः शुरू की जाए।
3. सभी उपभोक्ताओं के स्मार्ट मीटर तत्काल हटाकर पुराने सामान्य मीटर लगाए जाएं।
4. स्मार्ट मीटर के कारण अधिक आए बिजली बिलों की जांच कर अतिरिक्त वसूली गई राशि उपभोक्ताओं को वापस की जाए।
5. बिजली वितरण व्यवस्था को पारदर्शी, उपभोक्ता हितैषी एवं जवाबदेह बनाया जाए।
6. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नियमित, निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।कार्यक्रम के दौरान कांग्रेसजनों ने प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा विरोध स्वरूप पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया।इस अवसर पर रवि परगनिहा नेतराम निषाद विवेक राजपूत शुभम वर्मा राजेश दुबे चंद्रविजय धीवर चन्द्रशेखर परगनिहा नवाज खान सीमा टिकरिहा नेहा सुराना रामखिलावन परगनिहा चेतन बंजारे नरेंद्र धीवर चेतन साहू प्रवीण शर्मा निलेश वर्मा राजकुमार सेन गोविंदा राजपूत गुडडु सेन शुभांक परगनिहा सहित ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेरला के पदाधिकारीगण, मंडल अध्यक्षगण, सेवादल, महिला कांग्रेस, किसान कांग्रेस, अनुसूचित जाति कांग्रेस, अनुसूचित जनजाति कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, वरिष्ठ कांग्रेसजन तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

संपादकीय

स्कूलों में बच्चों के भोजन से मनमानी, सामने आने पर ही क्यों जागता है निगरानी तंत्र?

सीतापुर के महमूदाबाद में एक प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को पनिहल सब्जी और रोटी फेंककर देने के आरोप लगे हैं। इसी तरह बलिया के पलिया गांव स्थित विद्यालय में मध्याह्न भोजन के दौरान रोटी और सब्जी थाली में परोसने के बजाय बच्चों के हाथ में दिए जाने का मामला सामने आया है। सरकार ने स्कूलों में मध्याह्न भोजन की व्यवस्था इसलिए की थी कि ज्यादा से ज्यादा बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाए और उनकी सेहत का भी खयाल रखा जाए। मगर देखरेख और निगरानी के अभाव में कई विद्यालयों में यह व्यवस्था मात्र औपचारिकता बनकर रह गई है। कहीं भोजन की गुणवत्ता, तो कहीं उसे परोसने के तरीके पर सवाल उठते रहे हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश में ऐसे दो मामले सामने आए हैं।सीतापुर के महमूदाबाद में एक प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को पनिहल सब्जी और रोटी फेंककर देने के आरोप लगे हैं। इसी तरह बलिया के पलिया गांव स्थित विद्यालय में मध्याह्न भोजन के दौरान रोटी और सब्जी थाली में परोसने के बजाय बच्चों के हाथ में दिए जाने का मामला सामने आया है। इन दोनों घटनाओं में संबंधित प्रधानाध्यापिकाओं को निलंबित कर दिया गया है।मगर सवाल है कि विद्यालयों में इस तरह की अनियमितताओं पर रोक लगाने के लिए विभागीय निगरानी तंत्र निष्क्रिय और लापरवाह क्यों बना रहता है? अगर बच्चों को सम्मानजनक तरीके से अच्छा भोजन नहीं मिल पा रहा है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है?देश भर के विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना के तहत घटिया खाद्यान्न का इस्तेमाल, तय नियमावली का पालन न करने, साफ-सफाई की कमी और भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़ी खबरें अक्सर आती रहती हैं। यह बात अब छिपी नहीं है कि शिक्षकों और रसोइए की मिलीभगत से बच्चों को पौष्टिक के बजाय बेहद कम मात्रा में और खराब गुणवत्ता वाला भोजन परोसा जाता है, मगर ऐसे मामले बहुत कम सामने आ पाते हैं।उत्तर प्रदेश की दोनों घटनाओं में भी कार्रवाई तब हुई, जब इनके वीडियो सार्वजनिक तौर पर सामने आए। इससे स्पष्ट है कि विभागीय स्तर पर मध्याह्न भोजन की निगरानी की व्यवस्था सिर्फ कागजों तक ही सीमित है। हालांकि, बच्चों के लिए भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के क्रम में तमाम तरह के नियम बनाए गए हैं, लेकिन व्यावहारिक स्तर पर उनका पालन कराने के लिए कोई प्रभावी तंत्र नजर नहीं आता है। ऐसे में जरूरी है कि विद्यालय के जिन शिक्षकों और अधिकारियों पर मध्याह्न भोजन की निगरानी एवं निरीक्षण का जिम्मा है, उनकी सीधे तौर पर जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

जेन ज़ी को बनाने वाले सबसे बड़े और असरदार कारणों में से एक है, हाइपर-कनेक्टेड डिजिटल दुनिया में उनकी परवरिश। कम उम्र से ही, यह पीढ़ी ऐसे माहौल में रही है जहाँ जानकारी, मनोरंजन और बातचीत उनकी उंगलियों पर आसानी से मिल जाती है। स्मार्टफ़ोन, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और हाई-स्पीड इंटरनेट ने तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का एक इकोसिस्टम बनाया है। अपडेट के साथ नोटिफ़िकेशन आते हैं, न्यूज़ साइकिल मिनटों में रिफ़्रेश हो जाती हैं, और मनोरंजन ऑन डिमांड उपलब्ध होता है। तुरंत फ़ीडबैक और आसानी से मिलने वाले कंटेंट की यह लगातार स्ट्रीम अनजाने में ही डेवलप हो रहे दिमाग को जल्दी नतीजे और तुरंत इनाम की उम्मीद करने के लिए ट्रेन कर सकती है। इसलिए, जिन हालात में सब्र की ज़रूरत होती है, जैसे जवाब का इंतज़ार करना, कोई लंबा काम पूरा करना, या धीरे-धीरे, सोच-समझकर सीखना, वे फ्रस्ट्रेटिंग और अनचाही लग सकती हैं।

अब शिवाजी, चंद्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह जैसे लोग क्यों नहीं मिलते?

(प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय)

रोल-प्लेइंग (भूमिका निभाने वाले) सीन और ग्रुप डिस्कशन, जो सामाजिक स्थितियों और उनके नतीजों को समझते हैं, सही व्यवहार सिखाने और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में बहुत असरदार हो सकते हैं। माता-पिता अपने बच्चों और दूसरों के साथ बातचीत में सम्मानजनक व्यवहार का उदाहरण पेश करके अहम भूमिका निभा सकते हैं। आज के एक-दूसरे पर निर्भर समाज में युवाओं, खासकर जेनरेशन जेड (जेन ज़ी) का व्यवहार समाज के लिए बहुत चिंता का विषय बनता जा रहा है। उन्हें अक्सर बेसब्री, बिना सोचे-समझे सोचने की आदत और कुछ मामलों में, बुरे बर्ताव वाला माना जाता है। यह सोच, हालांकि आम हो सकती है, और हर व्यक्ति में अलग-अलग भी हो सकती है। लेकिन यह इसके अंदरूनी कारणों और समाज की संभावित प्रतिक्रियाओं की एक ज़रूरी जांच को बढ़ावा देती है। इन उभरते हुए पैटर्न को समझने के लिए एक बहुआयामी नज़रिए की ज़रूरत है, जिसमें टेक्नोलॉजी में तरक्की, पढ़ाई के बदलते तरीकों, पेरेंटिंग स्टाइल में बदलाव और बड़े सामाजिक-सांस्कृतिक माहौल के गहरे असर को माना जाए। यह आवश्यक है कि जेन ज़ी में इन आदतों के पीछे के संभावित कारणों पर गहराई से चर्चा हो, जिसमें डिजिटल इमर्शन, तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का असर, जानकारी लेने का बदलता तरीका और उनके विकास को आकार देने वाले बदलते सामाजिक ढाँचों पर विचार किया जाए। तदनुसार, समाज ऐसे सुधार करें जिनसे इस पीढ़ी में ज़्यादा सब्र रखने, ज़्यादा तार्किक सोच विकसित करने और सम्मानजनक बातचीत को बढ़ावा मिलें।

डिजिटल बाढ़ और बेसब्री की खेती – जेन ज़ी को बनाने वाले सबसे बड़े और असरदार कारणों में से एक है, हाइपर-कनेक्टेड डिजिटल दुनिया में उनकी परवरिश। कम उम्र से ही, यह पीढ़ी ऐसे माहौल में रही है जहाँ जानकारी, मनोरंजन और बातचीत उनकी उंगलियों पर आसानी से मिल जाती है। स्मार्टफ़ोन, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और हाई-स्पीड इंटरनेट ने तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का एक इकोसिस्टम बनाया है। अपडेट के साथ नोटिफ़िकेशन आते हैं, न्यूज़ साइकिल मिनटों में रिफ़्रेश हो जाती हैं, और मनोरंजन ऑन डिमांड उपलब्ध होता है। तुरंत फ़ीडबैक और आसानी से मिलने वाले कंटेंट की यह लगातार स्ट्रीम अनजाने में ही डेवलप हो रहे दिमाग को जल्दी नतीजे और तुरंत इनाम की उम्मीद करने के लिए ट्रेन कर सकती है। इसलिए, जिन हालात में सब्र की ज़रूरत होती है, जैसे जवाब का इंतज़ार करना, कोई लंबा काम पूरा करना, या धीरे-धीरे, सोच-समझकर सीखना, वे फ्रस्ट्रेटिंग और अनचाही लग सकती हैं। ऑनलाइन बातचीत का तेज़ नेचर, जहाँ छोटे मैसेज और थोड़ी देर का कंटेंट ज़्यादा होता है, लगातार ध्यान और गहरी बातचीत के लिए कम टॉलरेंस में भी योगदान दे सकता है, जिससे बेसब्री का कल्चर बढ़ता है। उदाहरण के लिए, मैसेजिंग ऐप पर तुरंत जवाब की उम्मीद या सोशल मीडिया फ़ीड पर तेज़ी से स्क्रॉल करने से लोग तुरंत संतुष्टि की उम्मीद करने लगते हैं, जिससे असल दुनिया की बातचीत की धीमी रफ़्तार मुश्किल लगने लगती है। नई चीज़ों और तेज़ी से जानकारी के इस लगातार संपर्क से बोरियत की क्षमता भी कम हो सकती है, एक ऐसी स्थिति जो अक्सर सोचने और क्रिएटिव प्रॉब्लम-सॉल्विंग स्किल्स के विकास को बढ़ावा देती है। जब डिजिटल ध्यान भटकाने वाली चीज़ों से बोरियत तुरंत दूर हो जाती है, तो सब्र और सेल्फ-रेगुलेशन विकसित करने के मौके कम हो जाते हैं।

इन्फॉर्मेशन ओवरलोड और लॉजिकल रीजनिंग का खत्म होना – डिजिटल युग ने जानकारी को डेमोक्रेटाइज़ कर दिया है, जिससे यह पहले से कहीं ज़्यादा आसानी से मिलने वाली हो गई है। लेकिन, इस एक्सेसिबिलिटी के साथ एक बड़ी चुनौती आती है- उपलब्ध जानकारी की बहुत ज़्यादा मात्रा और अक्सर अनवेरिफाइड नेचर। जेन ज़ी, जो इस बहुतायत के साथ बड़ा हुआ है, अक्सर शॉर्ट-फॉर्म कंटेंट, सोशल मीडिया फीड्स और वायरल ट्रेंड्स के ज़रिए जानकारी लेता है। इस्तेमाल का यह तरीका क्रिटिकल इवैल्यूएशन और लॉजिकल एनालिसिस के बजाय इमोशनल रेजोनेंस और तुरंत एंगेजमेंट को प्रायोरिटी दे सकता है। कई डिजिटल प्लेटफॉर्म को कंट्रोल करने वाले एल्गोरिदम यूज़र्स को एंगेज रखने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, अक्सर ऐसा कंटेंट दिखाकर जो उनके मौजूदा बायस से मेल खाता है या मज़बूत इमोशनल रिस्पॉन्स को उकसाता है। इससे इको चैंबर बन सकते हैं, जहाँ लोग मुख्य रूप से उन नज़रियों के संपर्क में आते हैं जो उनके अपने नज़रियों को कन्फर्म करती हैं, जिससे अलग-अलग नज़रियों से जुड़ने और बारीक समझ डेवलप करने की उनकी क्षमता में रुकावट आती है। नतीजतन, भरोसेमंद सोर्स और गलत जानकारी के बीच अंतर करना एक मुश्किल काम बन जाता है। फेक न्यूज़ और सेंसेशनलाइज्ड कंटेंट के फैलने से युवाओं के लिए मज़बूत क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स डेवलप करना मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा, कम जानकारी के आधार पर जल्दी से राय बनाने का दबाव, जो अक्सर ऑनलाइन बहस और तेज़ी से की जाने वाली कमेंट्री से और बढ़ जाता है, बेतुके तर्कों को अपनाने या बिना सबूत वाले दावों को मानने की ओर ले जा सकता है। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कॉन्सपिरेसी थ्योरी की लोकप्रियता, जिनमें अक्सर अनुभव के सबूत नहीं होते लेकिन वे भावनात्मक रूप से मज़बूत होती हैं, यह दिखाती है कि बिना वेरिफ़ाई की गई जानकारी कैसे लोगों का ध्यान खींच सकती है और तर्क पर असर डाल सकती है। उन्हें कैसे जांचा जाए, इस बारे में पूरी गाइडेंस के बिना विभिन्न नज़रिया के लगातार संपर्क में रहने से कन्फ्यूजन हो सकता है और सिस्टमैटिक, लॉजिकल तरीकों के बजाय ह्यूरिस्टिक्स या भावनात्मक अपील पर भरोसा हो सकता है।

बदलते सोशल नॉर्म्स और बुरे मैनर्स की सोच – मैनर्स की परिभाषा खुद एक जैसी नहीं है; यह सोशल नॉर्म्स और टेक्नोलॉजी में बदलाव के साथ बदलती रहती है। जेन ज़ी की बातचीत काफी हद तक डिजिटल कम्युनिकेशन पर निर्भर करती है। टेक्स्टिंग, डायरेक्ट मैसेजिंग और ऑनलाइन कमेंट्स में अक्सर बिना बोले इशारे, आवाज़ का टोन और सोशल कॉन्टेक्स्ट की कमी होती है जो आमने-सामने की बातचीत के लिए ज़रूरी हैं। उदाहरण के लिए, एक साफ-साफ टेक्स्ट मैसेज भेजने वाले के लिए एक अच्छी बातचीत हो सकती है, लेकिन पाने वाला इसे खारिज करने वाला या बदतमीज़ी समझ सकता है, खासकर अगर उसमें ग्रीटिंग या आखिर में बात करने जैसी आम तमीज़ न हो। इसके अलावा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से मिलने वाली गुमनामी या दूरी से हिचकिचाहट कम हो सकती है, जिससे ज़्यादा गुस्सैल या बेपरवाह व्यवहार हो सकता है जो शायद सीधे, आमने-सामने की मुलाकातों में न हो। इसके अलावा, पेरेंटिंग स्टाइल में बदलाव, कुछ स्टडीज़ में ज़्यादा छूट देने वाली पेरेंटिंग का ट्रेंड बताया गया है, अनजाने में बच्चों के लिए ज़रूरी सोशल दक्षता, जैसे हमदर्दी, झगड़े सुलझाना, और अथॉरिटी वाले लोगों या अलग राय का सम्मान करने के मौके कम कर सकता है। जब बच्चों को नतीजों से बचाया जाता है या सही सोशल बिहेवियर के लिए लगातार गाइड नहीं किया जाता है, तो उन्हें तमीज़ से बातचीत के लिए ज़रूरी सेल्फ-डिसिप्लिन और दूसरों के लिए सोच-विचार डेवलप करने में मुश्किल हो सकती है।

समाज के लिए सुधार के कदम – आज शिवाजी, चंद्रशेखर आज़ाद और भगत सिंह जैसे लोग क्यों नहीं मिलते? क्योंकि जीजाबाई (शिवाजी की माँ) जैसी माँ नहीं हैं। एक बच्चे की अच्छी परवरिश उसे देशभक्त और भविष्य का नागरिक बनाने के लिए बहुत ज़रूरी है। जेन ज़ी में कही जा रही अनुशासनहीनता को ठीक करने के लिए पूरे समाज को एक साथ और कई तरह के तरीके अपनाने की ज़रूरत है। सिर्फ़ बुराई करने से आगे बढ़कर ऐसे रचनात्मक दखल पर ध्यान देना ज़रूरी है जो सकारात्मक विकास को बढ़ावा दें।

डिजिटल लिटरेसी और क्रिटिकल थिंकिंग को बढ़ावा देना – इन चुनौतियों से निपटने का एक तरीका डिजिटल साक्षरता और क्रिटिकल सोचने-समझने के कौशल को बढ़ाना है। एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स को स्टूडेंट्स को डिजिटल दुनिया में ज़िम्मेदारी से संचालन करना सिखाने को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसमें गलत जानकारी की पहचान करने, एल्गोरिदमिक बायस को समझने और ऑनलाइन सोर्स की क्रेडिबिलिटी को एवैल्यूएट करने के बारे में साफ इंस्ट्रक्शन शामिल हैं। क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स को डेवलप करना सिर्फ़ एक एकेडमिक कोशिश नहीं है; इसके लिए अलग-अलग कॉन्टेक्स्ट में लगातार प्रैक्टिस की ज़रूरत होती है। डिबेट्स, रिसर्च प्रोजेक्ट्स जिनमें कई सोर्स से जानकारी को सिंथेसाइज़ करने की ज़रूरत होती है, और ऐसी डिस्कशन्स जिनमें कॉम्प्लेक्स एथिकल डिलेमाज़ को एक्सप्लोर किया जाता है, ये सभी ज़्यादा लॉजिकल रीज़निंग डेवलप करने में मदद कर सकते हैं। माता-पिता और शिक्षक खुलकर इस पर चर्चा करके क्रिटिकल थिंकिंग का मॉडल बना सकते हैं कि वे जानकारी को कैसे एवैल्यूएट करते हैं और राय कैसे बनाते हैं।

पेशेंस और डिलेड ग्रैटिफिकेशन को कल्टिवेट करना – पेशेंस को बढ़ावा देने के लिए ऐसा एनवायरनमेंट बनाने के लिए सोच-समझकर कोशिश करने की ज़रूरत होती है जो इसे बढ़ावा दे। स्कूल ऐसे असाइनमेंट डिज़ाइन कर सकते हैं जिनमें लंबे समय तक कमिटमेंट और लगन की ज़रूरत हो, जिससे स्टूडेंट्स को मेहनत की कीमत और लगातार काम करके लक्ष्य हासिल करने की संतुष्टि सिखाई जा सके।

भारत पहले, फिर दुनिया- क्या बदल रही है नेपाल की विदेश नीति की दिशा?

(यशोदा श्रीवास्तव)

प्रधानमंत्री बालेन शाह ने सत्ता संभालते ही यह संदेश दिया था कि विदेशी राजदूतों और राजनयिकों की प्रधानमंत्री कार्यालय तक सीधी पहुंच समाप्त की जाएगी और किसी भी विदेशी प्रतिनिधि से निजी मुलाकात नहीं की जाएगी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की विदेश यात्राओं की वरीयता को लेकर काठमांडो के राजनीतिक गलियारों में चल रही कयासबाजी पर विराम लग गया है, क्योंकि उनकी भारत यात्रा पर अब मुहर लग गई है। दरअसल, भारत ने बालेन शाह को यहां आने का निमंत्रण दिया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। नेपाल की राजनीति में भारत और खासकर बालेन शाह की विदेश नीति को लेकर इसे बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। नेपाल में अपना प्रभाव बढ़ा रहे चीन और अमेरिका बालेन की प्रथम विदेश यात्रा पर टकटकी लगाए हुए थे। वे उनकी विदेश यात्रा में अपने-अपने देश को प्राथमिकता मिलने की उम्मीद कर रहे थे। नेपाल का प्रधानमंत्री बनने के बाद बालेन शाह की सरकार चलाने की कार्यशैली कुछ ऐसी थी कि उन्हें और उनकी विदेश नीति को समझ पाना मुश्किल था। अब जब भारत का उनका दौरा लगभग तय हो गया है, तो अमेरिका और चीन का चौकन्ना होना स्वाभाविक है। राजनीतिक विश्लेषकों की दृष्टि में यह भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत है। प्रधानमंत्री बालेन शाह ने सत्ता संभालते ही यह संदेश दिया था कि विदेशी राजदूतों और राजनयिकों की प्रधानमंत्री कार्यालय तक सीधी पहुंच समाप्त की जाएगी और किसी भी विदेशी प्रतिनिधि से निजी मुलाकात नहीं की जाएगी। मगर अब उन्होंने अपनी शुरुआती नीति में बदलाव करते हुए करीबी सलाहकारों के माध्यम से भारत और चीन से सीधे संपर्क स्थापित करने की पहल शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने अपने करीबी सलाहकारों तथा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, खासकर पार्टी अध्यक्ष रवि लामिछाने और विदेश मंत्री शिशिर खनाल से चर्चा के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा में भारत को प्राथमिकता दी है। दरअसल, प्रधानमंत्री बालेन शाह के प्रमुख सलाहकार कुमार व्यंजनकार की जुलाई के पहले सप्ताह में नई दिल्ली की यात्रा के बाद ही उनकी भारत यात्रा के कार्यक्रम में तेजी आई। यह सब इतना गोपनीय रखा गया कि इसकी भनक नेपाल के विदेश मंत्रालय तक को नहीं लगने दी गई। नेपाल के राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बेशक बालेन शाह की भारत यात्रा की रूपरेखा गोपनीय रखी गई, लेकिन इसकी जानकारी पार्टी अध्यक्ष रवि लामिछाने को जरूर रही होगी, क्योंकि कुछ दिन पहले ही वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आमंत्रण पर भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर गए थे। नेपाल में जब भी सत्ता परिवर्तन होता है, तो वहां के नए प्रधानमंत्री की पहली विदेश यात्रा की प्राथमिकता पर भारत, चीन और अब अमेरिका की नजर जरूर रहती है। नेपाल में अपना प्रभाव बढ़ाने में लगातार सक्रियता बढ़ा रहे ये तीनों देश बालेन शाह की अपने-अपने देश की यात्रा को लेकर सक्रिय थे। पिछले दिनों अमेरिका और चीन के राजनयिक तथा शीर्ष नौकरशाह काठमांडो पहुंचे थे, लेकिन बालेन शाह की मुलाकात किसी से नहीं हुई। उन्होंने नेपाल की आंतरिक और बाह्य समस्याओं के समाधान में व्यस्तता के बीच विदेशी प्रतिनिधियों से मिलना जरूरी नहीं समझा। बालेन शाह की भारत यात्रा की पुष्टि के बाद नेपाल की विदेश नीति में बदलाव को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, प्रधानमंत्री बालेन शाह के भारत दौरे के पीछे जो प्रमुख कारण हो सकता है, वह यह कि भारतीय मीडिया में हाल के दिनों में उनकी सरकार को लेकर लगातार आलोचनात्मक खबरें आई हैं। कुछ रिपोर्टों में सरकार की लोकप्रियता घटने और उसके अधिक समय तक न टिक पाने के दावे किए गए, जिससे सरकार के भीतर नई कूटनीतिक पहल की आवश्यकता महसूस की गई। इसके अलावा नेपाल की मौजूदा सरकार पर घरेलू स्तर पर भी राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है। भूमिहीनों के पुनर्वास, पासपोर्ट छपाई विवाद, गणेश नेपाली आत्मदाह प्रकरण तथा अन्य प्रशासनिक मुद्दों पर सरकार को लगातार आलोचना का सामना करना पड़ा है। ऐसे में माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री बालेन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सक्रियता बढ़ाकर संतुलन बनाने की कोशिश में हैं, जिसकी शुरुआत के क्रम में भारत यात्रा भी शामिल है। उनकी भारत यात्रा का उद्देश्य दो तरफा है। दोनों देशों के बीच कई ऐसे मुद्दे हैं, जिनका समाधान बातचीत के जरिए ही संभव है। भारत और नेपाल के बीच संबंध चूंकि मैत्रीपूर्ण हैं, रोटी-बेटी का रिश्ता है, भौगोलिक दृष्टि से भी नेपाल भारत के बेहद करीब है। ऐसे में दोनों देश कभी नहीं चाहेंगे कि वे एक-दूसरे से दूरी बनाकर रहें।

उत्साह तभी सार्थक है जब उसके साथ जागरूक चेतना हो, तभी जीवन के निर्णय बनते हैं स्थायी

हम सभी किसी न किसी रूप में एक भय की ग्रंथि से जूझते हैं। ऐसे में संवाद एक उत्साह की चिंगारी जरूर है। दरअसल, दुख के वर्ग में जो स्थान भय का है, आनंद वर्ग में वही स्थान उत्साह का है। ऐसे में संवाद को मानव समाज की रीढ़ कहा जाए तो गलत नहीं होगा। यहीं से विचार की दोहरी प्रक्रिया शुरू होती है। संवाद का उपक्रम सत्संग भी है। जहां हम अपने मन के भावों को पलायन करने के बजाय अपने छूटे हुए अंतरंग की बुनियादी बुनाइयां बुनने लगे। नीरसता व्यक्ति को नकारात्मक और निरुत्साही बनाती है, तो उसमें मन की अस्थिर अवस्था की केंद्रीय भूमिका रहती है।

(शोभा जैन)

जीवन के निर्णय केवल उत्साह से नहीं, बल्कि परिष्कृत चेतना और जागरूकता से सार्थक बनते हैं। यह लेख बताता है कि कैसे चेतना, सांस्कृतिक मूल्य, संवाद और आत्मानुभव व्यक्ति के उत्साह, निर्णय क्षमता और जीवन की दिशा को प्रभावित करते हैं।

हमारी चेतना की जमीन हमारे जीवन को संचालित करने वाले निर्णयों से ही उपजती है। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थिति बनती है, जब हमारा मानस निर्णय तो लेता है, लेकिन उन निर्णयों में स्थायित्व नहीं रहता। वे भविष्य में टिक नहीं पाते। चेतना सबकी एक ही होती है। फर्क होता उन मूल्यों का, जो हमारी चेतना में मौजूद रहते हैं। इन मूल्यों के अनुसार ही हमारी चेतना किसी घटना पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करती है। ये मूल्य ही इस बात का निर्धारण करते हैं कि वे कौन-से तत्त्व और कार्य होंगे, जो हमें अपराध-बोध से भरेंगे और हमें अपराध-बोध से मुक्त रखेंगे।

जीवन में कभी-कभी ऐसा पड़ाव भी आता है, जब हमारी चित्त अवस्था स्थिर नहीं होती। वैसे भी वह स्थिर नहीं, गतिशील है। वह ठहराव नहीं, निरंतर खोज है, लेकिन यहां अस्थिर होने का आशय विचलन से है। भीतर के प्रश्नों की यात्रा ठहरती नहीं। वह एक ऐसे प्रदेश में प्रवेश करती है, जहां आंतरिक खोज अपने ही छायापथ पर चलती है। मगर अस्थिर मन में जब कोई हमारे अनुकूल काम होता दिखाई देता है, तब मन अपने आप ही किसी आंतरिक उत्साह से भर जाता है। वह छोटा-सा उत्साह कितने दायित्वों को निभाने की ऊर्जा दे देता है, हम इसकी पूर्व से कल्पना भी नहीं कर सकते। जैसे अवसाद और आत्महत्या के केंद्र में होता है सहनशीलता का अभाव, ठीक वैसे ही उत्साह और जागरूकता के केंद्र में प्रोत्साहन भी एक कड़ी है।

जीवन में ऐसे कई अवसर आते हैं जब हम उत्साहित होकर किसी लक्ष्य को साधते हैं, लेकिन जागरूकता के अभाव में उस लक्ष्य का अपेक्षित परिणाम नहीं पाते। ठीक इसके उलट, एक व्यक्ति के भीतर किसी काम या लक्ष्य को हासिल करने की क्षमता तो हो, लेकिन उसके भीतर उत्साह की कमी हो, तो उसके लिए आसान राह भी मुश्किल होगी। इसके अलावा, एक स्थिति यह भी होती है कि क्षमता और उत्साह से लैस व्यक्ति को भी अगर कोई निराशा में डुबो दे, उसका उत्साह भंग कर दे, तो किसी काम को आसानी से पूरा करने की उसकी क्षमता विपरीत दिशा में प्रभावित होती है।

कहने का आशय यह कि अगर हमारा चित्त किसी विषय में उत्साहित रहता है, तो हम अन्य विषयों में भी अपना उत्साह दिखाते हैं। आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने एक जगह लिखा है- उत्साह वास्तव में कर्म और फल की मिली-जुली अनुभूति है, जिसकी प्रेरणा से तत्परता आती है। अगर फल दूर ही दिखाई पड़े, उसकी भावना के साथ उसका लेश मात्र भी कर्म या प्रयत्न के साथ-साथ लगाव न मालूम हो, तो हमारे हाथ-पांव कभी न उठें और उस फल के साथ हमारा संयोग ही न हो। इसमें कर्म-शृंखला की पहली कड़ी पकड़ते ही फल के आनंद की भी कुछ अनुभूति होने

लगती है। अगर हमें यह निश्चय हो जाए कि अमुक स्थान पर जाने से हमें किसी प्रिय व्यक्ति का दर्शन होगा, तो उस निश्चय के प्रभाव से हमारी यात्रा भी अत्यंत प्रिय हो जाएगी। अगर हम किसी बात पर गुस्सा हुए बैठे हैं और इसी बीच में कोई दूसरा आकर हमसे कोई बात सीधी तरह भी पूछता है, तो भी हम उस पर झुंझला उठते हैं। यह सब मनोस्थिति द्वारा संचालित होता है और मनोस्थिति परिस्थितिजन्य होती है।

हम सभी किसी न किसी रूप में एक भय की ग्रंथि से जूझते हैं। ऐसे में संवाद एक उत्साह की चिंगारी जरूर है। दरअसल, दुख के वर्ग में जो स्थान भय का है, आनंद वर्ग में वही स्थान उत्साह का है। ऐसे में संवाद को मानव समाज की रीढ़ कहा जाए तो गलत नहीं होगा। यहीं से विचार की दोहरी प्रक्रिया शुरू होती है। संवाद का उपक्रम सत्संग भी है। जहां हम अपने मन के भावों को पलायन करने के बजाय अपने छूटे हुए अंतरंग की बुनियादी बुनाइयां बुनने लगे। नीरसता व्यक्ति को नकारात्मक और निरुत्साही बनाती है, तो उसमें मन की अस्थिर अवस्था की केंद्रीय भूमिका रहती है। इसलिए उत्साह में चिंतन की स्थिति बनी रहे, जिसे हम जागरूकता की परिपक्व अवस्था भी कह सकते हैं। बस उत्साह क्षणिक उद्वेगयुक्त होता है, इसलिए उसमें जागरूकता का होना पहली शर्त है।

हमारे उत्साह में हमारी चेतना की भूमिका सर्वोपरि है। चेतना के स्तर पर कभी कोई भेद भी नहीं होते, तो भेद हमेशा विचारों के स्तर पर होते हैं। ज्यादातर लोग अपनी चेतना को शुद्ध ही मानकर चलते हैं। तर्क-वितर्क से उसे न्यायसंगत ठहरा देते हैं। ऐसे में जीवन में घटित घटनाओं में अपनी निजी चेतना को शुद्धि की कसौटी पर स्वयं कसकर देखना चाहिए। हम दंग रह जा सकते हैं कि जो कुछ भी हमारे साथ हुआ, उसके केंद्र में हमारी चेतना है। शुद्ध चेतना जो हमारे कार्य को स्वयं निदेशित करे, किसी दूसरे की चेतना उसकी वैचारिकी का अनुगमन करना होगा। अपनी चेतना को परिष्कृत भी करना पड़ता है और इसमें सबका अपना अलग तरीका होता है, सबके अनुभव अलग। उत्साह और जागरूकता में चेतना की अहम भूमिका रहती है। चेतना में सांस्कृतिक मूल्यों की पहचान उसकी परिधि में निहित है। जीवन दर्शन और परिवेश इसके रसायन हैं। चेतना निरंतर परिष्कृत होने की प्रक्रिया है, क्योंकि जो आज है, कल वह अनुभव भी रहे, यह जरूरी नहीं। राम और रावण दोनों में चेतना थी, लेकिन भिन्न स्तर की।अपने उत्साह को बढ़ाने की कुंजी यह है कि हम अपने स्वार्थ से परे किसी ऐसे उद्देश्य के प्रति समर्पित हो जाएं, जिसके प्रति हमारी गहरी लगन हो, जिसमें हमारी चेतना की परिष्कृत अवस्था हो। दूसरों से अर्जित नहीं, स्व-अनुभव से अर्जित। यह उद्देश्य हमें प्रतिबद्धता देगा।

पथरीली पहाड़ियों को हराभरा बनाने रायगढ़ वन विभाग की अभिनव पहल

खरसिया के बोतल्दा में 5 हेक्टेयर क्षेत्र में 5 हजार पौधों का प्रायोगिक रोपण

रायगढ़ /मूक पत्रिका

खरसिया वन परिक्षेत्र के बोतल्दा स्थित पथरीले और खाली पहाड़ी क्षेत्र को हराभरा बनाने की दिशा में रायगढ़ वन विभाग द्वारा अभिनव पहल की गई है। वन विभाग ने बोतल्दा के कक्ष क्रमांक 1147 में लगभग 5 हेक्टेयर क्षेत्र में प्रायोगिक वृक्षारोपण शुरू किया है। इस पहल के तहत कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद स्थल की प्रकृति के अनुरूप वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग करते हुए करीब 5 हजार पौधों का रोपण किया जा रहा है। यह कार्य प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री अरुण पाण्डेय के निर्देशन तथा मुख्य वन संरक्षक मनोज कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। पथरीली पहाड़ियों पर पौधों के रोपण और उनके संरक्षण के लिए स्थल की प्राकृतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विशेष उपाय किए गए हैं। ढलान वाले क्षेत्रों में वर्षाजल के बहाव को नियंत्रित करने,

मिट्टी के कटाव को रोकने और नमी बनाए रखने के लिए कंटूर रेखाओं के अनुरूप पत्थरों की मेड़ें तैयार की गई हैं। वहीं चट्टानों की दरारों और प्राकृतिक गड्ढों का उपयोग पौधरोपण के लिए किया जा रहा है। जहां चट्टानों के कारण मृदा की उपलब्धता बेहद कम है, वहां विशेष तकनीक अपनाते हुए चट्टानों के बीच टिन का घेरा तैयार कर उसमें उपयुक्त मृदा भरकर पौधों का रोपण किया जा रहा है। इससे पौधों की जड़ों को विकसित होने के लिए आवश्यक मृदा उपलब्ध हो रही है। इस प्रकार कठिन एवं अनुपयुक्त माने जाने वाले पथरीले स्थलों को भी पौधरोपण के लिए उपयोगी बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

स्थल के अनुरूप मिश्रित प्रजातियों का रोपण-प्रायोगिक रोपण के अंतर्गत पीपल, हल्दू, नीम, कुसुम, बरगद, करंज और कुल्लू सहित विभिन्न स्थल-अनुकूल प्रजातियों के पौधे लगाए जा रहे हैं। जैव विविधता और स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए मिश्रित प्रजातियों का चयन किया गया है। खुले एवं दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में लगाए गए पौधों को पशुओं से सुरक्षित रखने के लिए फेंसिंग की गई है। पौधों को प्रारंभिक अवस्था में मजबूती प्रदान करने के लिए बाँस स्टेकिंग की व्यवस्था भी की गई है। पौधों की स्थापना के बाद उनके संरक्षण और बेहतर वृद्धि पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए समय-समय पर निंदाई-गुड़ाई, आवश्यकतानुसार सिंचाई तथा कीट एवं रोग नियंत्रण जैसे कार्य किए जा रहे हैं। वन अमले द्वारा रोपित पौधों की नियमित निगरानी और देखभाल सुनिश्चित की जा रही है।

निरीक्षण के दौरान पीसीसीएफने किया पौधरोपण-वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समय-समय पर रोपण स्थल का निरीक्षण कर कार्य की गुणवत्ता, पौधों की स्थिति और प्रगति की समीक्षा की जा रही है। स्थानीय वन अमला भी स्थल की निगरानी और पौधों के संरक्षण में सक्रिय रूप से जुटा हुआ है। स्थल निरीक्षण के दौरान प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री अरुण पाण्डेय ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत स्वयं पौधा रोपित किया। उन्होंने प्रायोगिक रोपण की कार्यप्रणाली और पौधों के संरक्षण के लिए किए जा रहे उपायों का अवलोकन भी किया। वन विभाग का यह प्रयोग कठिन एवं पथरीले भू-भाग में हरित आवरण विकसित करने की संभावनाओं को तलाशने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। यदि प्रयोग के अपेक्षित सकारात्मक परिणाम प्राप्त होते हैं, तो इसी तरह की तकनीकों को प्रदेश के अन्य पथरीले एवं दुर्गम वन क्षेत्रों में भी अपनाया जा सकेगा। इससे ऐसे क्षेत्रों में हरित आवरण बढ़ाने, मृदा एवं जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय परिस्थिति को मजबूत करने में मदद मिल सकती है।

सड़कें हैं या हादसों के गड्ढे?' देवगांव-पडिगांव-महालोई मार्ग की दयनीय स्थिति से ग्रामीणों में आक्रोश

रायगढ़/तमनार /मूक पत्रिका

औद्योगिक नगरी तमनार क्षेत्र में मानसून की दस्तक के साथ ही ग्रामीण सड़कों की बदहाली खुलकर सामने आ गई है। देवगांव से पडिगांव, महलोई और गौरबाहरी को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों तालाब में तब्दील हो चुका है। सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों में बारिश का पानी भर जाने से राहगीरों, स्कूली बच्चों और वाहन चालकों के लिए यहां से निकलना किसी खतरे से खाली नहीं है।

पडिगांव स्कूल के पास स्थिति बेहद चिंताजनक-स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग पर जगह-जगह सड़क के किनारे कट चुके हैं और कीचड़ की वजह से फिसलन बढ़ गई है। विशेषकर पडिगांव स्कूल के आसपास के हिस्से की स्थिति बेहद दयनीय है। छोटे-छोटे बच्चों को स्कूल आने-जाने के दौरान हर वक्त दुर्घटना का डर सताता रहता है। गड्ढों की गहराई का अंदाजा न लग पाने के कारण आए दिन दोपहिया वाहन चालक गिरकर चोटिल हो रहे हैं।

ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, स्थायी समाधान की मांग-ग्रामीणों का कहना है कि सड़क किसी भी क्षेत्र की जीवनरेखा होती है, लेकिन यहां की मौजूदा स्थिति विकास के दावों की पोल खोल रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार किए बिना तुरंत इस मार्ग का सर्वे कराया जाए। लोगों को उम्मीद है कि सुशासन की इस सरकार में उनकी इस समस्या का स्थायी समाधान निकलेगा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना या अन्य संबंधित माध्यम से इस मार्ग का गुणवत्तापूर्ण निर्माण और मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया, तो उन्हें मजबूरन आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। अब जनता को कोरे आश्वासनों की नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर ठोस काम की दरकार है।

वेतन के लिए तरस रहे स्वास्थ्यकर्मी, 13 अगस्त को बेमेतरा में फूटेगा गुस्सा

जुलाई की सैलरी अटकी, परिवारों पर आर्थिक संकट; दीपक सिंह दिनकर ने आंदोलन का बिगुल फूंका, ष्टस्त्राह कार्यालय के सामने होगा धरना और पुतला दहन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

मरीजों की सेवा में दिन-रात जुटे रहने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को अगर समय पर उनका वेतन ही न मिले तो सवाल उठना लाजिमी है। बेमेतरा जिले में जुलाई माह का वेतन अब तक नहीं मिलने से स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा होने का

मामला सामने आया है। अब यह मुद्दा आंदोलन की राह पर पहुंच गया है। स्वास्थ्यकर्मियों के लंबित वेतन भुगतान को लेकर जनपद सदस्य दीपक सिंह दिनकर ने मोर्चा खोलते हुए 13 अगस्त से आंदोलन की घोषणा की है। उन्होंने एसडीएम बेमेतरा को पत्र सौंपकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन और प्रतीकात्मक पुतला दहन की अनुमति मांगी है। उनका कहना है कि स्वास्थ्यकर्मी विषम परिस्थितियों में अपनी सेवाएं देते हैं, ऐसे में उनका वेतन रोकना उनके साथ अन्याय है।दिनकर के मुताबिक, 04 अगस्त को ष्टस्त्राह बेमेतरा को लिखित आवेदन देकर जुलाई माह का वेतन तत्काल जारी करने की मांग की गई थी। उस समय भुगतान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी गई थी। लेकिन अब तक भुगतान नहीं होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने प्रशासन के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने का निर्णय लिया है। 13 अगस्त को दो बड़े कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। एक ओर स्वास्थ्य मंत्री और क्षेत्रीय खाद्य मंत्री का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया जाएगा, वहीं दूसरी ओर ष्टस्त्राह कार्यालय बेमेतरा के सामने अनिश्चितकालीन शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा।

रेनबो स्कूल के छात्र-छात्राओं ने ताइक्वांडो और योगा में परचम लहराकर गोल्ड एंड सिल्वर मेडल किए अपने नाम

अभय, मजेश, हर्षिता, विभा, ग्रेशु, सौरव, रूद्र, लालिमा और देवांशी यादव ने दिखाया दम

रायगढ़ /मूक पत्रिका

शहर के शैलेन्द्र नगर बोईरदादर स्थित रेनबो अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के विद्यार्थियों ने 5वीं रायगढ़ जिला योगासन प्रतियोगिता तथा दुर्ग में आयोजित 5वीं स्टेट ताइक्वांडो प्रतियोगिता ने अपने शानदार हुनर का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में रेनबो विद्यालय के विद्यार्थियों (अभय, मजेश, हर्षिता, विभा, ग्रेशु, सौरव, रूद्र) ने गोल्ड तथा सिल्वर मैडल अपने नाम किया। साथ ही 5 वी स्टेट ताइक्वांडो प्रतियोगिता में (लालिमा यादव, देवांशी यादव) उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की और गोल्ड तथा सिल्वर मैडल

अपने नाम किया। प्रतियोगिता के दौरान योग स्पर्धा में विद्यार्थियों ने कठिन आसनों का प्रदर्शन कर अपनी एकाग्रता और फ्लेक्सिबिलिटी का लोहा मनवाया। वहीं, ताइक्वांडो मुकाबले में दमदार किक्स और बेहतरीन डिफेंस मूव्स दिखाकर दर्शकों व रेफरी को प्रभावित किया। इस दोहरी सफलता पर संस्था प्रमुख, कोच बृजेश शर्मा, ग्लोरी खलखो ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि योग मानसिक शांति देता है तो ताइक्वांडो शारीरिक आत्मरक्षा सिखाता है, और दोनों ही विधाओं में सफलता पाना बेहद गर्व की बात है। इस सफलता पर सीमा शर्मा का विशेष योगदान रहा।

स्कूल की शिक्षिकायें न केवल पढ़ाई, बल्कि खेल के लिए भी विद्यार्थियों को हमेशा प्रोत्साहित करती हैं। स्कूल द्वारा खेल के साथ पढ़ाई में पूरा सहयोग दिया जाता है, ताकि विद्यार्थियों को अभ्यास के लिए सही समय मिल पाता है। इससे विद्यार्थियों का मनोबल हमेशा ऊंचा बना रहता है। इस उपलब्धि पर विजेता विद्यार्थियों के परिवार और शिक्षकों ने खुशी जाहिर करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की है।

स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस का जनजागरण अभियान तेज, वार्डों में घर-घर जाकर दर्ज कराया जाएगा जनमत

खरसिया /मूक पत्रिका

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार स्मार्ट मीटर के विरोध में जनता की आवाज़ को सड़क से लेकर सदन तक पहुँचाने के उद्देश्य से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी (शहर) खरसिया द्वारा जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। इसी अभियान की रूपरेखा एवं आगामी कार्ययोजना को लेकर राठौर भवन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित की गई।बैठक में सभी वार्डों के पदाधिकारियों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं को स्मार्ट मीटर के विरोध में जनमत दर्ज कराने के लिए फॉर्म सौंपे गए। साथ ही प्रत्येक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता को उनके संबंधित वार्डों में घर-घर जाकर लोगों से फॉर्म भरवाने की जिम्मेदारी सौंपी गई।कांग्रेस पदाधिकारियों ने बताया कि अभियान के तहत कार्यकर्ता गली-मोहल्लों और वार्डों में जाकर आम जनता से स्मार्ट मीटर को लेकर उनकी राय एवं आपत्तियां दर्ज करेंगे। भरे हुए फॉर्म संबंधित कांग्रेस कमेटी के पास जमा किए जाएंगे। इसके माध्यम से जनता की समस्याओं और विरोध को संगठित रूप से सामने लाने का प्रयास किया जाएगा।बैठक में कार्यकर्ताओं से अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने और अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने का आह्वान किया गया। कांग्रेस ने कहा कि जनमत संग्रह के माध्यम से जनता की आवाज़ को मजबूती से उठाया जाएगा तथा स्मार्ट मीटर के मुद्दे को सड़क से लेकर सदन तक ले जाया जाएगा।कांग्रेस कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने वार्डों में जल्द से जल्द घर-घर संपर्क कर फॉर्म भरवाएं और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार भरे हुए फॉर्म कांग्रेस कमेटी में जमा करें।इस अवसर पर अभियान को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं में जिम्मेदारियां बांटी गईं और अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ने पर जोर दिया गया। कांग्रेस का अभियान संदेशः ÷स्मार्ट मीटर हटाना है, जनता का हक बचाना है!÷

फर्जी आधार से राजस्थान की करोड़ों की जमीन का मालिक हो गया संदिग्ध किसान!

जिले के धरमजयगढ़ क्षेत्र से जुड़ रहे बड़े सिंडिकेट के तार

धरमजयगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में धरमजयगढ़ क्षेत्र के निवासी से जुड़े एक भूमि प्रकरण में सामने आई जानकारियों ने जमीन की खरीद-बिक्री और पहचान संबंधी दस्तावेजों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, करोड़ों रुपये मूल्य की बताई जा रही एक जमीन के सौदे में ऐसे लोगों की भूमिका सामने आई है, जिनका संबंध अलग-अलग राज्यों से बताया जा रहा है। मामले में पहचान, आम मुख्तियारी, गवाह और जाति संबंधी विवरणों को लेकर कथित विसंगतियों ने पूरे प्रकरण को संदिग्ध बना दिया है।मामले की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी कथित रूप से ताराचंद्र की पहचान से

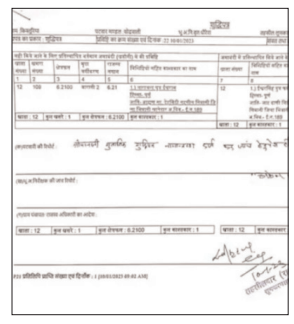

जुड़ी है। जानकारी के अनुसार भूमि संबंधी अभिलेखों में ताराचंद्र को भिवानी, हरियाणा निवासी तथा ब्राह्मण/सामान्य वर्ग का बताया गया है। वहीं सूत्रों का दावा है कि भूमि सौदे में पहचान के तौर पर जिस आधार कार्ड का इस्तेमाल किया गया, वह धरमजयगढ़ के ग्राम पोरिया निवासी ताराचंद्र से संबंधित बताया जा रहा है। इस मामले को और गंभीर बनाने वाला दावा यह है कि संबंधित आधार संख्या कथित तौर पर पोरिया के एक मंझवार परिवार के व्यक्ति की है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या किसी दूसरे व्यक्ति की पहचान का इस्तेमाल कर किसी और को भूमि का स्वामी बनाकर प्रस्तुत किया गया? यदि जांच में यह बात सही पाई जाती है तो मामला महज रिकॉर्ड की गलती नहीं, बल्कि पहचान के कथित दुरुपयोग और दस्तावेजी हेरफेर का गंभीर विषय बन सकता है।

ग्रामीणों का दावा-पोरिया में नहीं रहा 'ताराचंद्र'-इस पूरे मामले में ग्राम पोरिया से सामने आई जानकारी भी महत्वपूर्ण है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, गांव में ऐसा कोई ताराचंद्र लंबे समय तक निवासरत नहीं रहा, जिसे संबंधित भूमि अभिलेखों में दर्ज व्यक्ति से जोड़ा जा सके। यदि ग्रामीणों की यह बात सरकारी अभिलेखों की जांच में भी सही साबित होती है, तो यह सवाल और गंभीर हो जाएगा कि पोरिया से संबंधित पहचान दस्तावेज कथित तौर पर भूमि सौदे में कैसे इस्तेमाल हुआ।

हरियाणा का प्रदीप बना आम मुख्तियार-सूत्रों के अनुसार, भूमि सौदे से संबंधित प्रक्रिया में हरियाणा निवासी प्रदीप को आम मुख्तियार बताया गया है। वहीं ओडिशा निवासी आनंद गुप्ता तथा छत्तीसगढ़ निवासी रामकिशन के गवाह होने की जानकारी सामने आई है। एक ओर कथित भू-स्वामी की पहचान धरमजयगढ़ क्षेत्र से जुड़ती है, दूसरी ओर आम मुख्तियार हरियाणा का और गवाहों में ओडिशा तथा छत्तीसगढ़ के लोग बताए जा रहे हैं। अलग-अलग राज्यों से जुड़े इन किरदारों की मौजूदगी ने मामले में अंतरराज्यीय कड़ी की आशंका को और गहरा कर दिया है।

सामान्य वर्ग का ताराचंद्र, फिर कथित परिजन अगरिया कैसे?-मामले में जाति संबंधी विवरण भी एक अलग सवाल खड़ा कर रहा है। जानकारी के अनुसार भूमि से जुड़े रिकॉर्ड में ताराचंद्र को ब्राह्मण/सामान्य वर्ग का बताया गया है, जबकि उसके कथित परिजनों को अगरिया समुदाय से संबंधित बताया जा रहा है।

एक तरफमातम, दूसरी तरफसियासी दावत! रायगढ़ कांग्रेस में 'संवेदना' बनाम 'सियासी विरासत' पर उठे तीखे सवाल

रायगढ़ /मूक पत्रिका

रायगढ़ की राजनीति में रविवार का दिन जहां शोक, संवेदना और सामाजिक मर्यादा का दिन होना चाहिए था, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के भीतर एक राजनीतिक जमावड़े और दावत को लेकर चर्चाओं ने सियासी गलियारों में नई हलचल पैदा कर दी है,लैलूंगा विधानसभा क्षेत्र की कांग्रेस विधायक विद्यावती सिदार के पति कुंजबिहारी सिदार का निधन हो गया, वे लंबे समय से अस्वस्थ थे और रायपुर के निजी अस्पताल में उपचाररत थे,रविवार को उनके पैतृक गांव कुंजेमुरा में अंतिम संस्कार किया गया, परिवार और समर्थकों के बीच शोक का माहौल रहा,लेकिन इसी दिन शाम को रायगढ़ जिले के एक वरिष्ठ कांग्रेसी नेता, जो पूर्व विधायक और छत्तीसगढ़ शासन में मंत्री रह चुके हैं, की ओर से कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेताओं के लिए दावत रखे जाने की चर्चा ने राजनीतिक सवाल खड़े कर दिए हैं,यह

आयोजन कांग्रेस पार्टी का आधिकारिक कार्यक्रम नहीं बताया जा रहा है,बावजूद इसके, समय, परिस्थिति और आमंत्रित राजनीतिक चेहरों को लेकर कांग्रेस के भीतर ही तरह-तरह की चर्चाएं होने लगी हैं।

सवाल दावत का नहीं, वक्त और संवेदनशीलता का है-किसी व्यक्ति के निजी आयोजन अथवा दावत पर सवाल उठाना अपने आप में उचित नहीं माना जा सकता,लेकिन राजनीति केवल चुनाव और संगठन तक सीमित नहीं होती,राजनीतिक दलों में भी सामाजिक और मानवीय मर्यादाएं होती हैं,ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब उसी जिले की एक निर्वाचित कांग्रेस विधायक के पति का निधन हुआ हो, उसी दिन अंतिम संस्कार हुआ हो, और पूरा परिवार शोक में डूबा हो, तब क्या वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का राजनीतिक जमावड़ा टाला नहीं जा सकता था? क्या उस समय कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की प्राथमिकता शोकाकुल विधायक और उनके परिवार के साथ खड़े होने की नहीं होनी चाहिए थी?

सवाल तीखे हैं, लेकिन जवाब कांग्रेस को ही देना होगा। मातम के बीच सियासी मैसेज?-रायगढ़ की राजनीति में इस आयोजन को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की है कि क्या यह महज एक सामाजिक दावत थी या इसके पीछे कोई बड़ा राजनीतिक संदेश भी छिपा था?

क्योंकि जिस तरह ग्रामीण क्षेत्रों से लोगों को वाहनों में भरकर लाने की चर्चा सामने आई, जिस तरह रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र के पुराने राजनीतिक समर्थक और चेहरे नजर आए, और जिस तरह अलग-अलग क्षेत्रों के राजनीतिक लोगों की मौजूदगी बताई जा रही है, उससे इसे सामान्य मिलन समारोह मानने वालों से ज्यादा इसे सियासी शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखने वाले भी सामने आ रहे हैं,पुसौर से महापल्ली तक, शहर से गांव और गली-मोहल्लों तक पुराने राजनीतिक संपर्कों को सक्रिय करने की कवायद दिखाई दी,यही नहीं सारंगढ़, कोरबा, धरमजयगढ़ और सरिया तक के राजनीतिक समीकरणों में जिन चेहरों की चर्चा होती रही है, उनके इस जमावड़े से रायगढ़ की कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति को लेकर अटकलों का बाजार गर्म हो गया है।

पुराना चेहरा, नई पैकेजिंग और 'विरासत' का दावा!-रायगढ़ की राजनीति ने कई दौर देखे हैं। ऐसे नेता भी देखे हैं जिनकी कभी तूती बोलती थी, जिनके इशारे पर कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटती थी और जिनके राजनीतिक कार्यालयों में दिनभर लोगों का तांता लगा रहता था।लेकिन राजनीति में समय किसी का स्थायी नहीं होता।

कल जो अजेय था, आज सक्रिय राजनीति से बाहर है।कल जिसकी सभा में भीड़ उमड़ती थी, आज उसी के राजनीतिक कार्यालय में सन्नाटा दिखाई दे सकता है।

लेकिन नेताजी का दिल मानता कहां है?

कुर्सी गई तो क्या हुआ, राजनीतिक विरासत तो बची है!

और अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या उसी विरासत को अगली पीढ़ी के हवाले करने की तैयारी शुरू हो चुकी है?

पुराना चेहराज
नई पैकेजिंगज
पुराना नामज

नया दावा-'जनता का प्यार विरासत में मिला है।'

पारंपरिक वेशभूषा, तीर-कमान, कर्मा नृत्य और आकर्षक झांकियों ने बढ़ाई शोभा, मेधावी विद्यार्थियों व प्रतिभावान खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

बरमकेला में धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस, निकली भव्य रैली

बरमकेला/मूक पत्रिका

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बरमकेला में सर्व आदिवासी समाज के तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, कला, विरासत और सामाजिक एकजुटता की शानदार झलक देखने को मिली। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में समाज के महिला-पुरुषों के साथ बड़ी संख्या में युवा एवं बच्चे भी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। पूरे आयोजन के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से आदिवासी समाज की विशिष्ट पहचान और गौरवशाली परंपरा को प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में नगर में निकाली गई भव्य शोभायात्रा रही। रैली में शामिल लोग पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा में नजर आए। हाथों में तीर-कमान लिए समाज के युवाओं और अन्य सदस्यों ने अपनी पारंपरिक पहचान को प्रदर्शित किया। वहीं महिलाओं एवं युवतियों ने भी पारंपरिक परिधान में शामिल होकर रैली की शोभा बढ़ाई। ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन पर कर्मा नृत्य एवं लोक नृत्य प्रस्तुत किए गए। विभिन्न सांस्कृतिक झांकियों के माध्यम से आदिवासी जीवन, परंपराओं और संस्कृति को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया।

मंगल भवन से शुरू हुई शोभायात्रा-विश्व आदिवासी दिवस के कार्यक्रम की शुरुआत बरमकेला स्थित मंगल भवन परिसर से हुई। यहां से सर्व आदिवासी समाज की अगुवाई में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। रैली मंगल भवन से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए आगे बढ़ी। शोभायात्रा सुभाष चौक, बस स्टैंड, अटल चौक, इंदिरा चौक, जनपद पंचायत कार्यालय तथा नवनिर्माणाधीन सर्व आदिवासी समाज भवन के मार्ग से होते हुए पुनः मंगल भवन परिसर पहुंची। रैली के दौरान नगर में जगह-जगह लोगों की नजरें शोभायात्रा की ओर टिकी रहीं। पारंपरिक परिधानों में सजे समाज के लोगों और सांस्कृतिक दलों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। रैली में शामिल प्रतिभागियों ने अपनी संस्कृति एवं परंपरा को लेकर उत्साह प्रदर्शित किया। कर्मा नृत्य और लोक नृत्य की प्रस्तुतियों ने आयोजन को और भी जीवंत बना दिया। विभिन्न झांकियों के माध्यम से आदिवासी समाज की जीवनशैली, संस्कृति एवं परंपराओं की झलक देखने को मिली।

तीर-कमान के साथ पारंपरिक वेशभूषा में दिखी समाज की एकजुटता-शोभायात्रा में आदिवासी समाज के महिला, पुरुष और युवाओं की बड़ी भागीदारी रही। समाज के लोग अपनी पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। युवाओं के हाथों में तीर-कमान नजर आए, जो आदिवासी समाज की पारंपरिक पहचान और ऐतिहासिक विरासत से जुड़े प्रतीकों को प्रदर्शित कर रहे थे। महिलाओं ने भी पारंपरिक परिधानों एवं आभूषणों के साथ रैली में भाग लिया। रैली में शामिल बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह नजर आया। आयोजन के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का संदेश भी देखने को मिला।

बूढ़ा देव की पूजा-अर्चना के साथ हुआ मुख्य कार्यक्रम-शोभायात्रा के मंगल भवन परिसर पहुंचने के बाद मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आदिवासी समाज की आस्था एवं परंपरा के अनुरूप बूढ़ा देव की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों एवं समाज के पदाधिकारियों का आत्मीय स्वागत किया गया।मुख्य कार्यक्रम में समाज की संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखने के साथ शिक्षा, सामाजिक जागरूकता एवं समाज के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने एकजुटता के साथ सामाजिक हितों के लिए कार्य करने और युवा पीढ़ी को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

मेधावी विद्यार्थियों और खिलाड़ियों का हुआ सम्मान-विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में समाज के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कक्षा 10वीं एव 12 वी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।शिक्षा के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को भी मंच से सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों में उत्साह देखने को मिला।

जल, जंगल और जमीन के संरक्षण का दिया संदेश-कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने विश्व आदिवासी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आदिवासी समाज की पहचान उसकी संस्कृति, परंपरा, भाषा, रीति-रिवाज और प्रकृति से गहरे जुड़ाव से होती है। जल, जंगल और जमीन आदिवासी समाज के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। इसलिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचाए रखना भी समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।समारोह में समाज के लोगों को संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों एवं प्रावधानों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि अपने अधिकारों की जानकारी के साथ-साथ अपने कर्तव्यों को समझना भी जरूरी है। समाज के युवा शिक्षा के माध्यम से अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों को समझें तथा सामाजिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं।

रायगढ़ डिस्ट्रिक्ट योगासन चैंपियनशिप में परिधि सिदार का शानदार प्रदर्शन, जीते दो गोल्ड मेडल..

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

5वीं रायगढ़ डिस्ट्रिक्ट योगासन चैंपियनशिप का आयोजन 9 अगस्त 2026, रविवार को रायगढ़ के सरस्वती शिशु मंदिर लक्ष्मीपुर में किया गया। प्रतियोगिता में रायगढ़ जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से करीब 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें 10 से 55 वर्ष तक के आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने योगासन की विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में योगिनी योग सेंटर सरिया की प्रतिभावान खिलाड़ी परिधि सिदार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 से 18 वर्ष बालिका वर्ग में ट्रेडिशनल और आर्टिस्टिक सिंगल इवेंट में दो गोल्ड मेडल

हासिल किए।

लगातार चार वर्षों से जिला स्तर पर शानदार प्रदर्शन-ग्राम नवापारा मांड निवासी खेलकुमार सिदार की बेटी परिधि सिदार पिछले चार वर्षों से रायगढ़ जिले में आयोजित योगासन प्रतियोगिताओं में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। परिधि को उनकी शानदार लचीलापन और योगासन कला के लिए भी जाना जाता है। जिला स्तर पर सफलता हासिल करने के बाद परिधि ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी कई बार पूरे छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान हासिल किया है। इसके साथ ही वह राष्ट्रीय स्तर की योगासन प्रतियोगिता में भी हिस्सा ले चुकी हैं।

ऑनलाइन ट्रेनिंग से तैयार कर रहीं कोच-परिधि सिदार को योगिनी योग सेंटर सरिया की संचालिका यज्ञसेनी प्रधान प्रशिक्षण देती हैं। वे परिधि को ऑनलाइन ट्रेनिंग के माध्यम से योगासन की बारीकियां सिखा रही हैं। परिधि की लगातार सफलता पर कोच यज्ञसेनी प्रधान ने खुशी जताते हुए उन्हें आगामी चैंपियनशिप के लिए शुभकामनाएं दी हैं। परिधि की इस उपलब्धि से उनके परिवार, योगिनी योग सेंटर सरिया और क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में सरिया के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, 11 खिलाड़ियों ने जीते मेडल..

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

तीसरा जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन 9 अगस्त 2026, रविवार को सारंगढ़ के अग्रसेन भवन में किया गया। प्रतियोगिता में जिलेभर से करीब 70 से 80 योगासन खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इनमें 10 से 55 वर्ष तक के प्रतिभागी शामिल रहे। प्रतियोगिता में योगिनी योग एवं मार्शल आर्ट सेंटर सरिया के 12 बच्चों ने हिस्सा लिया। सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अलग-अलग वर्गों में मेडल और प्रमाण पत्र हासिल किए। खिलाड़ियों के प्रदर्शन से सेंटर और क्षेत्र का नाम भी गौरवान्वित हुआ।

सरिया के खिलाड़ियों ने जीते गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल-

बालिका वर्ग में सृष्टि सारथी, गुंजन निषाद, धर्मिका मेहर, गुंजन मेहर और पाखी नामदेव ने गोल्ड मेडल हासिल किया, जबकि अंकिता कुंडू ने सिल्वर मेडल जीता। वहीं बालक वर्ग में सत्यम प्रधान, आयुष प्रधान और सौम्य पटेल ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं अनुज अग्रवाल ने सिल्वर और अभिषेक सिदार ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले गोल्ड मेडल विजेता खिलाड़ियों का चयन आगामी राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता के लिए किया गया है। इससे खिलाड़ियों और उनके परिवारों में खुशी का माहौल है।

लगातार तीसरे वर्ष हुआ आयोजन-जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन लगातार तीसरे वर्ष किया जा रहा है। प्रतियोगिता के शुरुआती दो आयोजन सरिया में हुए थे, जबकि इस वर्ष आयोजन सारंगढ़ के अग्रसेन भवन में किया गया। प्रतियोगिता के आयोजन में जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। एसोसिएशन के अध्यक्ष महेन्द्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष रोशन डनसेना, सचिव लंबोदर साहू, संरक्षक सुभाष पटेल और कोषाध्यक्ष हेमन्त साहा हैं। योगिनी योग एवं मार्शल आर्ट सेंटर सरिया की संचालिका यज्ञसेनी प्रधान एसोसिएशन की टेक्निकल सचिव हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में चैंपियनशिप डायरेक्टर और जज की भूमिका निभाई।

उद्घाटन और समापन कार्यक्रम में पहुंचे जनप्रतिनिधि-प्रतियोगिता के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडे और भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति पटेल मौजूद रहे। वहीं समापन कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अरुण मालाकार और गणपत जांगड़े शामिल हुए। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने योगासन की विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजकों ने खिलाड़ियों को नियमित योगाभ्यास के साथ खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सरिया के खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित गोल्ड मेडल विजेता खिलाड़ियों से अब जिले को आगे भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

अभियान संवेदना : जम्मू तक पहुंची पुसौर पुलिस, 16 वर्षीय गुम नाबालिग बालिका सकुशल बरामद, बिलाईगढ़ का आरोपी गिरफ्तार..

रायगढ/मूक पत्रिका

गुम नाबालिग बच्चों की तलाश और उन्हें सकुशल वापस लाने के लिए चलाए जा रहे अभियान संवेदना के तहत पुसौर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने पुसौर थाना क्षेत्र से लापता हुई 16 वर्षीय नाबालिग बालिका को सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले से सकुशल बरामद किया है। मामले में बालिका को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने वाले 22 वर्षीय युवक को भी गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, 16 वर्षीय बालिका 18 फरवरी 2026 को घर से बिना बताए चली गई थी। परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों के यहां काफी तलाश की, लेकिन बालिका का पता नहीं चला। इसके बाद 22 फरवरी को थाना पुसौर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। मामले में अपराध क्रमांक 40/2026 के तहत बीएनएस की धारा 137(2) में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जम्मू में होने की मिली जानकारी-जांच के दौरान पुलिस ने बालिका के परिजनों और सहेलियों से पूछताछ कर लगातार उसकी तलाश की। पुलिस को जानकारी मिली कि बालिका एक युवक के साथ जम्मू में है। इसके बाद एसआई कुंदन लाल गौर के नेतृत्व में पुलिस टीम जम्मू रवाना की गई। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि बालिका और संदेही युवक जम्मू से वापस सारंगढ़-बिलाईगढ़ क्षेत्र में लौट आए हैं। सूचना मिलते ही पुसौर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बिलाईगढ़ स्थित युवक के घर पर दबिश दी। यहां से 16 वर्षीय बालिका को सकुशल बरामद कर पुलिस ने अपने संरक्षण में लिया।

शादी का प्रलोभन देकर जम्मू ले जाने का आरोप-पुलिस के अनुसार, बालिका का महिला पुलिस अधिकारी के समक्ष कथन कराया गया। बालिका ने बताया कि आरोपी युवक उसे शादी का प्रलोभन देकर जम्मू ले गया था, जहां दोनों मजदूरी करते थे। बालिका के कथन, मेडिकल रिपोर्ट और विवेचना के आधार पर आरोपी द्वारा शादी का प्रलोभन देकर शारीरिक शोषण किए जाने की बात सामने आने पर मामले में बीएनएस की धारा 64(2)(एम) और पॉक्सो एक्ट की धारा 6 जोड़ी गई। मामले में आयुष केंवट पिता सीता शरण केंवट, उम्र 22 वर्ष, निवासी थाना बिलाईगढ़, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

पुलिस टीम की रही महत्वपूर्ण भूमिका-बालिका की तलाश, सकुशल बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी निरीक्षक हर्षवर्धन सिंह, उप निरीक्षक कुंदन लाल गौर, प्रशिक्षु उप निरीक्षक दिव्या बंजारे, प्रधान आरक्षक कृष्ण कुमार गुप्ता, प्रधान आरक्षक बसंत पाण्डेय और आरक्षक धनुर्जय चंद बेहरा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। रायगढ़ पुलिस ने कहा है कि गुमशुदा बच्चों की सकुशल बरामदगी के साथ ही महिलाओं और नाबालिगों के खिलाफ अपराध करने वालों पर प्रभावी कानूनी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

विद्यालय को जिले का आदर्श विद्यालय बनाने का संकल्प, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधारभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान

सर्वसम्मति से सोनू साहू बने शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष, बच्चों के सर्वांगीण विकास पर रहेगा जोर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय शिवलाल राठी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, बेमेतरा की शाला प्रबंधन समिति (स्कूल) के अध्यक्ष पद पर सोनू साहू को सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया। अध्यक्ष का दायित्व मिलने के बाद श्री साहू ने विद्यालय प्रबंधन समिति, शिक्षकों, छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं समस्त नगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नवनियुक्त अध्यक्ष सोनू साहू ने कहा कि यह पद उनके लिए सम्मान के साथ-साथ एक पवित्र जिम्मेदारी भी है। राष्ट्र निर्माण में शिक्षा की

महत्वपूर्ण भूमिका है और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में समाज की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समिति शिक्षा की गुणवत्ता, बच्चों की नियमित उपस्थिति तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।

उन्होंने कहा कि विद्यालय में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्येक बच्चा नियमित रूप से स्कूल आए तथा उसे पौष्टिक भोजन, स्वच्छ पेयजल और स्वस्थ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो। बच्चों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उन्हें वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर के लिए मानसिक एवं शारीरिक रूप से सक्षम बनाने पर भी विशेष जोर दिया जाएगा।

'एक परिवार, एक संकल्प' के सिद्धांत पर जोर देते हुए सोनू साहू ने कहा कि सेवा को पूजा और शिक्षा को साधना मानकर समिति कार्य करेगी। बच्चों के सर्वांगीण विकास, विद्यालय में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए समिति तन-मन-धन से समर्पित रहेगी।

उन्होंने कहा कि शिक्षा, सम्मान, सेवा, संस्कार, अधिकार और समर्पण की भावना के साथ विद्यालय को जिले का आदर्श विद्यालय बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। इस कार्य में समिति के सदस्यों, शिक्षकों, अभिभावकों, समाज एवं नगरवासियों के मार्गदर्शन और सहयोग की आवश्यकता है।

नवगठित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य

इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति की उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा तिवारी, सचिव/प्राचार्य रामकुमार डड़सेना, पार्षद/सदस्य गौरव साहू, पार्षद/सदस्य लक्की साहू, सदस्य बिरेन्द्र सेन, विजय कुमार साहू, सुमीत कुमार वर्मा, राजकुमार साहू, श्रीमती प्रतिभा शर्मा, श्रीमती किस्मिता पाठक, श्रीमती श्वेता शर्मा, गोवर्धन दास मानिकपुरी, प्रमोद साहू एवं के.एल. गुप्ता तथा शिक्षक/सदस्य श्रीमती पुष्पलता बंजारे उपस्थित रहे।

समिति के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं शिक्षकों ने नवनियुक्त अध्यक्ष सोनू साहू का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

हर घर में बनेगा एक सोख्ता ग I, जनभागीदारी से होगा वर्षा जल का संरक्षण – भूजल स्तर बढ़ाने की दिशा में जिला प्रशासन की अभिनव पहल

'मोर गांव मोर पानी' अभियान के तहत 13 अगस्त से शुरू होगा 'एक सोख्ता, संतान के नाम' अभियान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में भूजल स्तर के संरक्षण, वर्षा जल के संचयन एवं जल स्रोतों के संवर्धन की दिशा में जिला प्रशासन बेमेतरा द्वारा एक महत्वपूर्ण जनअभियान की शुरुआत की जा रही है। 'मोर गांव मोर पानी' अभियान के अंतर्गत 13 अगस्त 2026 से 'एक सोख्ता, संतान के नाम' अभियान प्रारंभ किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य जिले के प्रत्येक परिवार को जल संरक्षण से जोड़ते हुए वर्षा के पानी को जमीन में पहुंचाना और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

हर घर बनेगा जल संरक्षण का केंद्र

'एक सोख्ता, संतान के नाम' अभियान के तहत जिले के प्रत्येक घर में कम से कम एक सोख्ता गड्ढे का निर्माण जनसहयोग एवं जनभागीदारी के माध्यम से स्वयं किए जाने के लिए नागरिकों को प्रेरित किया जाएगा। घरों की छत एवं आसपास की सतह से प्राप्त वर्षा जल को सोख्ता गड्ढे के माध्यम से जमीन में पहुंचाकर भूजल पुनर्भरण (ग्राउंड वाटर रिचार्ज) को बढ़ावा दिया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए नागरिकों को सोख्ता गड्ढे के निर्माण की तकनीकी जानकारी, आवश्यक मार्गदर्शन एवं उपयोगी सुझाव उपलब्ध कराए जाएंगे। ग्राम पंचायतों, जनप्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों, युवाओं, स्वयंसेवी संगठनों एवं स्थानीय नागरिकों की सहभागिता से अभियान को व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया जाएगा।

'संतान के नाम' से जुड़ा है भविष्य का संकल्प

अभियान को 'संतान के नाम' से जोड़ने का उद्देश्य जल संरक्षण को केवल वर्तमान की आवश्यकता न मानकर आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करना है। प्रत्येक परिवार द्वारा अपने घर में एक सोख्ता गड्ढे का निर्माण करना आने वाली पीढ़ी के लिए सुरक्षित एवं पर्याप्त जल उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। वर्षा ऋतु में बड़ी मात्रा में पानी बहकर नालियों एवं अन्य जल निकासी मार्गों से बाहर चला जाता है। ऐसे में सोख्ता गड्ढों के माध्यम से वर्षा जल को जमीन में उतारकर उसका भूजल पुनर्भरण किया जा सकता है। इससे जल स्रोतों पर दबाव कम करने के साथ-साथ भविष्य में जल संकट की संभावनाओं को भी कम किया जा सकेगा।

जनभागीदारी से बनेगा जल संरक्षण का जनआंदोलन

जिला प्रशासन का मानना है कि जल संरक्षण केवल प्रशासनिक प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए हर नागरिक और हर परिवार की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इसी उद्देश्य से 'एक सोख्ता, संतान के नाम' अभियान को जनभागीदारी आधारित अभियान के रूप में संचालित किया जा रहा है। जिले के नागरिकों से अपील की गई है कि वे 13 अगस्त 2026 को अपने घर में एक सोख्ता गड्ढा बनाकर इस अभियान का हिस्सा बनें और जल संरक्षण के इस संकल्प को अपने परिवार एवं समाज तक पहुंचाएं। एक परिवार–एक सोख्ता की पहल से जिले में बड़ी संख्या में सोख्ता गड्ढों का निर्माण होने पर वर्षा जल के संरक्षण एवं भूजल स्तर के पुनर्भरण में व्यापक सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा।

आज का प्रयास, आने वाली पीढ़ी के लिए जल सुरक्षा

'एक सोख्ता, संतान के नाम' केवल एक निर्माण गतिविधि नहीं, बल्कि जल के प्रति जिम्मेदारी और भविष्य के प्रति संकल्प का अभियान है। प्रत्येक परिवार द्वारा अपने घर में बनाए गए एक सोख्ता गड्ढे को आने वाली पीढ़ी के लिए जल संरक्षण की छोटी लेकिन महत्वपूर्ण सौगात के रूप में देखा जा रहा है।

जिला कलेक्टर ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करें, अपने घर में सोख्ता गड्ढे का निर्माण करें और अपने परिवार, पड़ोस एवं गांव के अन्य लोगों को भी जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें। सामूहिक जनभागीदारी से ही बेमेतरा जिले को जल संरक्षण के क्षेत्र में एक नई दिशा दी जा सकती है।

अभियान संवेदना : जम्मू तक पहुंची पुसौर पुलिस, 16 वर्षीय गुम नाबालिग बालिका सकुशल बरामद, बिलाईगढ़ का आरोपी गिरफ्तार..

मूक पत्रिका/रायगढ़// गुम नाबालिग बच्चों की तलाश और उन्हें सकुशल वापस लाने के लिए चलाए जा रहे अभियान संवेदना के तहत पुसौर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने पुसौर थाना क्षेत्र से लापता हुई 16 वर्षीय नाबालिग बालिका को सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले से सकुशल बरामद किया है। मामले में बालिका को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने वाले 22 वर्षीय युवक को भी गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

पुलिस के मुताबिक, 16 वर्षीय बालिका 18 फरवरी 2026 को घर से बिना बताए चली गई थी। परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों के यहां काफी तलाश की, लेकिन बालिका का पता नहीं चला। इसके बाद 22 फरवरी को थाना पुसौर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। मामले में अपराध क्रमांक 40/2026 के तहत बीएनएस की धारा 137(2) में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जम्मू में होने की मिली जानकारी- जांच के दौरान पुलिस ने बालिका के परिजनों और सहेलियों से पूछताछ कर लगातार उसकी तलाश की। पुलिस को जानकारी मिली कि बालिका एक युवक के साथ जम्मू में है। इसके बाद एसआई कुंदन लाल गौर के नेतृत्व में पुलिस टीम जम्मू रवाना की गई। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि बालिका और संदेही युवक जम्मू से वापस सारंगढ़-बिलाईगढ़ क्षेत्र में लौट आए हैं। सूचना मिलते ही पुसौर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बिलाईगढ़ स्थित युवक के घर पर दबिश दी। यहां से 16 वर्षीय बालिका को सकुशल बरामद कर पुलिस ने अपने संरक्षण में लिया।

शादी का प्रलोभन देकर जम्मू ले जाने का आरोप- पुलिस के अनुसार, बालिका का महिला पुलिस अधिकारी के समक्ष कथन कराया गया। बालिका ने बताया कि आरोपी युवक उसे शादी का प्रलोभन देकर जम्मू ले गया था, जहां दोनों मजदूरी करते थे। बालिका के कथन, मेडिकल रिपोर्ट और विवेचना के आधार पर आरोपी द्वारा शादी का प्रलोभन देकर शारीरिक शोषण किए जाने की बात सामने आने पर मामले में बीएनएस की धारा 64(2)(एम) और पॉक्सो एक्ट की धारा 6 जोड़ी गई। मामले में आयुष केंवट पिता सीता शरण केंवट, उम्र 22 वर्ष, निवासी थाना बिलाईगढ़, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

पुलिस टीम की रही महत्वपूर्ण भूमिका- बालिका की तलाश, सकुशल बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी निरीक्षक हर्षवर्धन सिंह, उप निरीक्षक कुंदन लाल गौर, प्रशिक्षु उप निरीक्षक दिव्या बंजारे, प्रधान आरक्षक कृष्ण कुमार गुप्ता, प्रधान आरक्षक बसंत पाण्डेय और आरक्षक धनुर्जय चंद बेहरा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। रायगढ़ पुलिस ने कहा है कि गुमशुदा बच्चों की सकुशल बरामदगी के साथ ही महिलाओं और नाबालिगों के खिलाफ अपराध करने वालों पर प्रभावी कानूनी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। एसएसपी शशि मोहन सिंह ने कहा कि नाबालिग बच्चों की सुरक्षा और उनकी सकुशल वापसी पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गुमशुदगी की प्रत्येक सूचना पर संवेदनशीलता और गंभीरता से कार्रवाई की जा रही है। नाबालिगों को बहला-फुसलाकर ले जाने और उनके विरुद्ध अपराध करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

वेतन के लिए तरस रहे स्वास्थ्यकर्मी, 13 अगस्त को बेमेतरा में फूटेगा गुस्सा!

जुलाई की सैलरी अटकी, परिवारों पर आर्थिक संकट; दीपक सिंह दिनकर ने आंदोलन का बिगुल फूंका, CMHO कार्यालय के सामने होगा धरना और पुतला दहन

मूक पत्रिका/बेमेतरा - मरीजों की सेवा में दिन-रात जुटे रहने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को अगर समय पर उनका वेतन ही न मिले तो सवाल उठना लाजिमी है। बेमेतरा जिले में जुलाई माह का वेतन अब तक नहीं मिलने से स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा होने का मामला सामने आया है। अब यह मुद्दा आंदोलन की राह पर पहुंच गया है।

स्वास्थ्यकर्मियों के लंबित वेतन भुगतान को लेकर जनपद सदस्य दीपक सिंह दिनकर ने मोर्चा खोलते हुए 13 अगस्त से आंदोलन की घोषणा की है। उन्होंने एसडीएम बेमेतरा को पत्र सौंपकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन और प्रतीकात्मक पुतला दहन की अनुमति मांगी है। उनका कहना है कि स्वास्थ्यकर्मी विषम परिस्थितियों में अपनी सेवाएं देते हैं, ऐसे में उनका वेतन रोकना उनके साथ अन्याय है।

दिनकर के मुताबिक, 04 अगस्त को CMHO बेमेतरा को लिखित आवेदन देकर जुलाई माह का वेतन तत्काल जारी करने की मांग की गई थी। उस समय भुगतान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी गई थी। लेकिन अब तक भुगतान नहीं होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने प्रशासन के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने का निर्णय लिया है।

13 अगस्त को दो बड़े कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। एक ओर स्वास्थ्य मंत्री और क्षेत्रीय खाद्य मंत्री का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया जाएगा, वहीं दूसरी ओर छत्साह कार्यालय बेमेतरा के सामने अनिश्चितकालीन शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा।

दीपक सिंह दिनकर ने एसडीएम से आंदोलन की अनुमति देने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासनिक सहयोग की मांग की है। ज्ञापन की प्रतियां मंत्री दयाल दास बघेल, बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, साजा विधायक ईश्वर साहू, कलेक्टर, एसपी, CMHO और थाना प्रभारी को भी भेजी गई हैं।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है— क्या 13 अगस्त से पहले स्वास्थ्यकर्मियों का लंबित वेतन जारी होगा, या फिर बेमेतरा में वेतन के मुद्दे पर बड़ा आंदोलन देखने को मिलेगा? स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की अगली कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।

जमीन और रास्ते के विवाद ने लिया हिंसक रूप, एक ही परिवार के 10 लोगों पर मारपीट व धमकी का आरोप!

कापू। थाना कापू क्षेत्र के ग्राम समनिया में जमीन और घर आने-जाने के रास्ते को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद ने एक बार फिर हिंसक रूप ले लिया। मामले में एक पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने 10 नामजद लोगों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी है।

पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, शिकायतकर्ता का अपने पड़ोसी परदेशी बघेल के परिवार के साथ जमीन एवं रास्ते को लेकर करीब दो वर्षों से विवाद चल रहा है। इसी विवाद को लेकर पूर्व में भी दोनों पक्षों के बीच विवाद और मारपीट की घटनाएं हो चुकी हैं तथा मामला न्यायालय में विचाराधीन बताया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि 10 अगस्त 2026 की सुबह करीब 7:30 बजे वह अपने परिवार के साथ घर पर था। इसी दौरान बिनोद बघेल, राकेश बघेल, रोशन बघेल, मालिक राम बघेल, राजेश बघेल, करिश्मा बघेल, मीना बघेल, अंशु बघेल, सरिता बघेल और पदमा बघेल एक राय होकर उसके घर पहुंचे और कथित तौर पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपितों ने घर की परछी एवं आंगन में घुसकर हाथ-मुक्का, डंडा, चाकू तथा लोहे के रॉड जैसे हथियारों से मारपीट की। इस दौरान शिकायतकर्ता के पिता बसंत सक्सेना को हाथ, पैर, सिर एवं हथेली सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोट लगने की बात कही गई है। वहीं उसकी मां इतवारिन बाई के सिर और दाहिने हाथ की कलाई पर भी डंडे से चोट पहुंचाने का आरोप है। वहीं शिकायतकर्ता ने स्वयं भी मारपीट में घायल होने का आरोप लगाया है। उसके अनुसार रोशन बघेल और विनोद बघेल ने हाथ-मुक्का तथा कथित रूप से लोहे के रॉड से हमला किया, जिससे उसके बांये हाथ की भुजा, सिर और पीठ में चोट आई। इसके अलावा अन्य नामजद आरोपितों द्वारा भी हाथ-मुक्का से मारपीट किए जाने का आरोप शिकायत में लगाया गया है। घटना के संबंध में शिकायतकर्ता ने नोनी बाई कुर्रे और चंदा राजे को जानकारी देने की बात कही है।

शहादत को सलाम, हर घर तिरंगे के नाम

शहीद जवानों के परिजनों से मिले अधिकारी, तिरंगा भेंट कर किया नमन; जिला और ब्लॉक मुख्यालयों में निकली

मूक पत्रिका/बीजापुर। स्वतंत्रता दिवस से पहले बीजापुर में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। जिला मुख्यालय सहित विभिन्न ब्लॉक मुख्यालयों में तिरंगा रैली निकाली गई। रैली में स्कूली बच्चों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया। हाथों में तिरंगा लेकर निकले बच्चों और नागरिकों ने 'भारत माता की जय' सहित देशभक्ति के नारे लगाए।

शहीदों के परिजनों के घर पहुंचे अधिकारी- बीजापुर लंबे समय तक माओवादी हिंसा से प्रभावित रहा है। 31 मार्च 2026 को जिले के नक्सल मुक्त होने के बाद इस बार स्वतंत्रता दिवस का महत्व और बढ़ गया है। चार दशकों के माओवादी प्रभाव से मुक्त होने के बाद जिले में पहली बार आजादी का पर्व नए उत्साह और गौरव के साथ मनाया जा रहा है।

जिले को माओवाद से मुक्त कराने के दौरान वीरगति प्राप्त जवानों के बलिदान को याद करते हुए संबंधित क्षेत्रों के एसडीएम और अन्य अधिकारी शहीद जवानों के घर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात की और उन्हें राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा भेंट किया। इस दौरान जवानों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया।

अधिकारियों ने शहीदों के परिजनों से आत्मीय संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सेवा में जवानों का बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनके साहस और समर्पण से आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा मिलती रहेगी।

तिरंगा रैली में दिखा देशभक्ति का उत्साह- जिला और ब्लॉक मुख्यालयों में निकली तिरंगा रैली में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर शामिल हुए। बच्चों और नागरिकों ने 'भारत माता की जय' तथा अन्य देशभक्ति के नारों के साथ राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और गौरव की भावना व्यक्त की।

अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने जिलेवासियों से अपने घरों में तिरंगा फहराने का आह्वान किया। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस को राष्ट्रीय गौरव, एकता और देशभक्ति की भावना के साथ मनाने के लिए लोगों को प्रेरित किया। अभियान के जरिए जिले के प्रत्येक घर तक तिरंगे के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति का संदेश पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

बीजापुर में इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस केवल आजादी के उत्सव का पर्व नहीं है। यह जिले में शांति की स्थापना और राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर जवानों के बलिदान को याद करने का अवसर भी है।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा की संवेदनशील पहल : जनदर्शन में पहुंची दृष्टिबाधित प्रियंका को मिला स्मार्ट फोन, सुरों की दुनिया में नाम रोशन करने की दी शुभकामनाएं

ताराचंद कठोत्रे/ बलौदाबाजार,11 अगस्त 2026 /?कलेक्टर कुलदीप शर्मा की संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय से आज एक बार फिर जनदर्शन में आए एक जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान तैर गई। साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान जब दृष्टबाधित बालिका प्रियंका अपनी समस्या लेकर पहुंची, तो कलेक्टर ने न सिर्फ उसकी पूरी बात आत्मीयता से सुनी, बल्कि उसकी संगीत के प्रति रुचि को देखते हुए तत्काल उसे एक आधुनिक स्मार्ट फोन प्रदान किया। इस दौरान प्रियंका ने अपनी सुरीली आवाज में देशभक्ति गीत भी सुनाई। कलेक्टर ने प्रियंका के.मधुर आवाज की सराहना करते हुए उज्जवल भविष्य और सुरों की दुनिया में जिले का नाम रोशन करने के लिए अपनी ढेरों शुभकामनाएं भी दीं। कसडोल विकासखंड के ग्राम कटगी निवासी प्रियंका बघेल बचपन से ही दृष्टिबाधित हैं। उन्होंने बताया कि बागबाहरा स्थित दृष्टिबाधित बच्चों के विद्यालय से हाई स्कूल तक की पढ़ाई पूरी की है। आगे की पढ़ाई के लिये इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ से संगीत विषय में ग्रेजुएशन करना चाहती है और एडमिशन भी लिया है।आगे की पढ़ाई और ऑनलाइन संगीत कक्षाओं के लिए मोबाइल फोन की आवश्यकता थी। इसी जरूरत को लेकर प्रियंका ने करीब एक सप्ताह पहले कलेक्टर के जनदर्शन में आवेदन देकर मदद की गुहार लगाई थी। सप्ताहभर में कलेक्टर से मिली मदद-जनदर्शन में पहुंची प्रियंका ने कलेक्टर को बताया कि उसे बचपन से ही गाने का और संगीत सीखने का गहरा शौक है। दृष्टिबाधित होने के कारण उसे संगीत की बारीकियों को सीखने, नए गानों को सुनने और उनका अभ्यास करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। आर्थिक तंगी की वजह से उसका परिवार उसे टच-स्क्रीन स्मार्ट फोन दिलाने में असमर्थ था, जो आज के दौर में दृष्टिबाधितों के लिए 'वॉइस असिस्टेंस' के जरिए पढ़ाई और संगीत सीखने का एक बड़ा माध्यम बन चुका है। प्रियंका की इस परेशानी को कलेक्टर ने पूरी आत्मीयता से समझा और मौके पर ही अधिकारियों को फोन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। निर्देश का त्वरित अनुपालन करते हुए अगले जनदर्शन में प्रियंका को बुलाया गया और कलेक्टर ने उसे नया मोबाइल फोन भेंट किया। मोबाइल हाथ में आते ही प्रियंका के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। कलेक्टर ने प्रियंका की पारिवारिक स्थिति को देखते हुए खाद्य विभाग को 35 किलो चावल वाला राशन कार्ड बनाने के निर्देश भी दिए। इससे प्रियंका के परिवार को खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ मिल सकेगा।

कलेक्टर ने बढ़ाया हौसला-स्मार्ट फोन सौंपते हुए कलेक्टर श्री शर्मा ने प्रियंका से कहा की शारीरिक अक्षमता कभी भी प्रतिभा के आड़े नहीं आ सकती। इस फोन का उपयोग अपने संगीत के रियाज और नई विधाएं सीखने के लिए करो। आगे चलकर एक दिन सुरों की दुनिया में बड़ा मुकाम हासिल करोगी और नाम रोशन करोगी।

चेहरे पर लौटी मुस्कान-?प्रशासन से मिले इस सहयोग से प्रियंका के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई। उन्होंने कलेक्टर का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि अब वह इस फोन के स्पेशल ऑडियो फीचर्स से काफी मदद मिलेगी।

सागौन चोरी रोकना वन रक्षक को पड़ा भारी, पति-पत्नी ने लट्ठे से किया जानलेवा हमला

जंगल से लकड़ी लेकर निकल रहे थे आरोपी, रोकने पर दी जान से मारने की धमकी; सिर पर लट्ठा पटककर की मारपीट, दोनों गिरफ्तार

दुर्गेश गुप्ता/ रामानुजगंज। जंगल से सागौन के लट्ठे चोरी कर ले जा रहे पति-पत्नी को रोकना वन रक्षक के लिए जानलेवा साबित हुआ। वन रक्षक ने जब दोनों को जंगल से लकड़ी लेकर जाते हुए रोककर पूछताछ की तो आरोपी पति-पत्नी ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोपियों ने रास्ते से हटने की धमकी देते हुए जान से मारने की धमकी दी और देखते ही देखते सिर पर रखे सागौन के लट्ठे को वन रक्षक के ऊपर पटक दिया। इसके बाद दोनों ने उसके साथ मारपीट की। हमले में वन रक्षक के सिर में गंभीर चोट आई, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद रामानुजगंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

सुबह ड्यूटी के दौरान जंगल से लकड़ी लेकर आते दिखे- पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना 11 अगस्त की सुबह करीब 5:45 बजे रामानुजगंज वन परिक्षेत्र अंतर्गत वन वाटिका के पास की है। वन रक्षक पिंटू मालाकार ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान उन्होंने एक महिला और पुरुष को जंगल की ओर से सागौन के लट्ठे लेकर आते देखा। वन रक्षक ने दोनों को रोककर लकड़ी के संबंध में पूछताछ शुरू की।

पूछताछ से भड़के, गाली-गलौज के बाद किया हमला- आरोप है कि पूछताछ किए जाने से नाराज पति-पत्नी ने वन रक्षक के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। दोनों ने उसे रास्ते से हट जाने को कहा और ऐसा नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दी। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने सिर पर रखा सागौन का लट्ठा वन रक्षक के ऊपर पटक दिया। इसके बाद दोनों ने वन रक्षक के साथ मारपीट की। अचानक हुए हमले में वन रक्षक के सिर पर चोट लगी और वह घायल हो गया।

घायल वन रक्षक अस्पताल में भर्ती- घटना के बाद वन विभाग के कर्मचारियों ने घायल वन रक्षक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार कराया जा रहा है। वन विभाग के कर्मचारी की रिपोर्ट पर रामानुजगंज पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की।

पुलिस ने दोनों को दबोचा- रामानुजगंज थाना पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक 140/2026 दर्ज करते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 115(2), 351(2), 121(2), 132 एवं 3(5) के तहत कार्रवाई की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मनोज भुईया (32), पिता कइल भुईया तथा उसकी पत्नी मानमती भुईया (30), दोनों निवासी वार्ड क्रमांक 15 रामानुजगंज, को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड के लिए न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

वन अमले की सुरक्षा पर भी उठे सवाल- जंगल में अवैध रूप से लकड़ी ले जाने वालों को रोकना वन विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी का हिस्सा है, लेकिन इस दौरान उन पर हमला होना गंभीर चिंता का विषय है। इस घटना ने जंगल में अवैध लकड़ी कटाई और परिवहन पर कार्रवाई करने वाले वन अमले की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। वन रक्षक पर सागौन के भारी लट्ठे से हमला किए जाने की घटना से वन विभाग के कर्मचारियों में भी चिंता का माहौल है।

32 प्रतिशत आदिवासी आबादी वाले प्रदेश में दिवस मनाने से भागी भाजपा, सीएम समेत किसी नेता ने नहीं दी बधाई

आदिवासी दिवस पर भाजपा का असली चेहरा सामने आया : मंडावी

मूक पत्रिका/बीजापुर। विश्व आदिवासी दिवस को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। जिला मुख्यालय में बीते मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में विधायक विक्रम मंडावी ने आरोप लगाया कि 32 प्रतिशत आदिवासी आबादी वाले छत्तीसगढ़ में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित किसी भी भाजपा नेता ने बधाई संदेश जारी नहीं किया। उन्होंने कहा कि इससे भाजपा का आदिवासी समाज के प्रति रवैया सामने आता है।

मंडावी ने कहा कि पूरी दुनिया ने 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया, लेकिन छत्तीसगढ़ के आदिवासी मुख्यमंत्री अपने ही समाज के उत्सव से दूर रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस के दबाव में भाजपा आदिवासी अस्मिता का विरोध कर रही है। मंडावी के अनुसार 2023 से पहले विश्व आदिवासी दिवस पर बधाई दी जाती थी, लेकिन अब चुप्पी साध ली गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस आदिवासियों को वनवासी बनाकर उनकी स्वतंत्र संस्कृति को मिटाना चाहती है।

आदिवासी दिवस केवल उत्सव नहीं- विधायक ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस अपनी जड़ों और परंपराओं को याद करने का दिन है। आदिवासी समाज ने सदियों से जल, जंगल, जमीन, प्रकृति और मानवता के बीच संतुलन बनाए रखा है। जंगल केवल लकड़ी नहीं, नदी केवल पानी नहीं और जमीन केवल संपत्ति नहीं है। ये आदिवासी समाज के जीवन और पहचान का हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा कि बस्तर से लेकर सरगुजा और कांकेर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, कोरबा, जशपुर, बलरामपुर और गरियाबंद के वनांचलों तक आदिवासी समाज ने अपनी मेहनत, संस्कृति और संघर्ष से छत्तीसगढ़ की पहचान बनाई है।

भाजपा पर वोट बैंक की राजनीति का आरोप- मंडावी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने विश्व आदिवासी दिवस को शासकीय स्तर पर मनाने से परहेज कर आदिवासी समाज का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि जिस प्रदेश की पहचान आदिवासी बहुल वनांचलों से बनी है, वहां सरकार का दिवस से दूरी बनाना आदिवासियों के साथ धोखा है।

उन्होंने भाजपा पर आदिवासियों को केवल वोट के लिए इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि एक आदिवासी को मुख्यमंत्री बनाकर दिखावा तो किया गया, लेकिन उन्हें अपने समाज के साथ उत्सव मनाने तक की इजाजत नहीं दी गई।

जल-जंगल-जमीन से समझौता नहीं- मंडावी ने कहा कि भाजपा और आरएसएस भले ही आदिवासी दिवस का विरोध करें, लेकिन आदिवासी समाज इसे गर्व से मनाता रहा है और मनाता रहेगा। जल-जंगल-जमीन के अधिकार और आदिवासी अस्मिता से कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, गुंडाधुर और अन्य आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया। उन्होंने कहा कि इन वीरों ने अन्याय के सामने नहीं झुकने की सीख दी है और अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक संघर्ष करना अपराध नहीं है।

मंडावी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी भाजपा के इस कथित विरोध को कभी नहीं भूलेंगे और माफ नहीं करेंगे।

कांग्रेस कार्यकर्ता रहे मौजूद- प्रेसवार्ता में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुडियम, वेणुगोपाल राजू, जिला पंचायत सदस्य नीना रावतीय उद्दे, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश कारम, इंटक अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ अध्यक्ष नेहरू बघेल, शहर अध्यक्ष बबलू खत्री, महामंत्री पुरुषोत्तम सल्लूर और जगदीश सेन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

आदिवासी संस्कृति के बिना छत्तीसगढ़ की पहचान अधूरी- विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा और जड़ों को याद करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज ने सदियों से प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीवन पद्धति विकसित की है।

तर्रेम में पुनर्वासित माओवादियों से पुलिस ने किया संवाद, 15 अगस्त समाज के साथ मनाने की अपील

ग्रामीणों के साथ बैठक में शांति और विकास पर चर्चा, योजनाओं का लाभ लेकर परिवार के साथ सामान्य जीवन जीने की समझाइश

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। तर्रेम थाना परिसर में बीते मंगलवार को पुनर्वासित माओवादियों और ग्रामीणों की बैठक हुई। पुलिस ने मुख्यधारा में लौटे पुनर्वासित माओवादियों से हिंसा से दूर रहकर परिवार और समाज के साथ सामान्य जीवन जीने की अपील की। बैठक में विशेष रूप से 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समाज के साथ मिलकर मनाने का आह्वान किया गया। पुलिस ने बताया कि पुनर्वासित माओवादियों की थाना स्तर पर लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। उनके पुनर्वास की प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग भी दिया जा रहा है। बैठक में उन्हें शासन की पुनर्वास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनने तथा रोजगार के अवसरों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया।

ग्रामीणों से सहयोग की अपील- बैठक में ग्रामीणों से गांव और आसपास के क्षेत्र में किसी संदिग्ध व्यक्ति, असामाजिक तत्व या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने कहा गया। पुलिस ने कहा कि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस और ग्रामीणों के बीच सहयोग जरूरी है। ग्रामीणों को शासन की रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, जनकल्याण और पुनर्वास योजनाओं की जानकारी दी गई। पात्र हितग्राहियों से योजनाओं का लाभ लेने की अपील की गई। इस दौरान ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी गईं और उनके निराकरण के लिए आवश्यक सहयोग का भरोसा दिलाया गया।

शिक्षा, खेल और रोजगार से जुड़ने पर जोर-पुलिस ने युवाओं को शिक्षा, खेल और रोजगार के अवसरों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने और गांव में आपसी भाईचारा मजबूत करने की अपील की गई।

हिंसा छोड़ मुख्यधारा से जुड़ने का संदेश-पुलिस ने कहा कि हिंसा का रास्ता छोड़कर लोकतांत्रिक व्यवस्था और समाज की मुख्यधारा से जुड़ना ही सुरक्षित भविष्य का रास्ता है। आत्मसमर्पित और पुनर्वासित माओवादियों से 15 अगस्त को समाज के साथ हर्षोल्लास और राष्ट्रप्रेम की भावना से स्वतंत्रता दिवस मनाने की अपील की गई।

बैठक का उद्देश्य

- पुनर्वासित माओवादियों और ग्रामीणों के बीच संवाद बढ़ाना
- पुनर्वासित लोगों को सामान्य जीवन के लिए प्रेरित करना
- शासन की योजनाओं से पात्र लोगों को जोड़ना
- संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस तक पहुंचाना
- क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विकास के लिए जनसहयोग बढ़ाना

खाली जमीन पर राखड़ डालकर कब्जे की कोशिश, रिश्तेदारों में छिड़ा विवाद पहुंचा थाने

रायगढ/मूक पत्रिका

जिले के भूपदेवपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत दर्रामुडा गांव में पैतृक जमीन के बंटवारे को लेकर दो रिश्तेदारों के बीच विवाद गहरा गया है। आरोप है कि बिना बंटवारे की खाली जमीन पर कब्जा करने की नीयत से एक पक्ष द्वारा जबरन राखड़ डाली जा रही थी। जब दूसरे पक्ष के बुजुर्ग ने इस पर आपत्ति जताई तो दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई और विवाद मारपीट तक पहुंच गया। माहौल बिगड़ते देख पीड़ित ने भूपदेवपुर थाने पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई और सुरक्षा की गुहार लगाई है।

राखड़ बिछाने का विरोध करने पर बढ़ा विवाद

मिली जानकारी के अनुसार, दर्रामुडा निवासी 65 वर्षीय लम्बोदर पटैल ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित का आरोप है कि उनके ही रिश्तेदार 59 वर्षीय सुकमनी पटैल और उनका 35 वर्षीय बेटा धनुजय विवादित खाली जमीन पर राखड़ गिराकर उसे अपने कब्जे में लेने का प्रयास कर रहे थे। जब लम्बोदर पटैल ने इस अनाधिकृत निर्माण और कब्जे का विरोध किया, तो अनावेदक उग्र हो गए। दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई और बात मारपीट तथा झगड़े तक पहुंच गई, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई।

पुलिस ने दी सक्षम न्यायालय जाने की सलाह

भूपदेवपुर पुलिस ने शिकायत आवेदन का अवलोकन करने के बाद पाया कि यह पूरा विवाद मुख्य रूप से जमीन के आपसी मालिकाना हक और बंटवारे से जुड़ा हुआ है। मामला सिविल प्रकृति का होने के कारण पुलिस स्तर पर इसमें सीधे हस्तक्षेप योग्य अपराध नहीं पाया गया। इसके बाद पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 174 के तहत सूचना क्रमांक 58/2026 दर्ज कर ली। पुलिस ने शिकायतकर्ता को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जमीन के स्थायी निराकरण और सीमांकन के लिए वे सक्षम न्यायालय की शरण लें, ताकि कानून के मुताबिक मामले का समाधान हो सके।

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए शिक्षक टिकेश्वर पटेल सम्मानित

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के हाथों मिला सम्मान, विद्यार्थियों की उपलब्धियों का किया उल्लेख

रायगढ/मूक पत्रिका

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले शिक्षक टिकेश्वर पटेल को सर्वोदय फाउंडेशन द्वारा सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के हाथों प्रदान किया गया।सम्मान समारोह में ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने तथा उन्हें बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए शिक्षक टिकेश्वर पटेल के प्रयासों की सराहना की गई।इस अवसर पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने शिक्षक टिकेश्वर पटेल के साथ अपने मित्रवत संबंधों का उल्लेख करते हुए उनके शिक्षकीय कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पटेल द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना वे पूर्व में भी सोशल मीडिया के माध्यम से कर चुके हैं।शिक्षक टिकेश्वर पटेल ने बताया कि उनके मार्गदर्शन में अब तक 112 विद्यार्थियों का नवोदय विद्यालय, 21 विद्यार्थियों का सैनिक स्कूल तथा इसी वर्ष 26 विद्यार्थियों का एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में चयन हुआ है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता पूरे रायगढ़ जिले के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि एक सशक्त समाज के निर्माण में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों के भविष्य को दिशा देने के साथ राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।सर्वोदय फाउंडेशन के निदेशक प्रशांत सिंह ठाकुर, राजेश गुप्ता, सुनील डनसेना सहित अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने वाले शिक्षकों का सम्मान करना संस्था के लिए गौरव की बात है।

शहर के हृदय स्थल का होगा भव्य सौंदर्यीकरण और कायाकल्प, आधुनिक सुविधाओं से विकसित होगा तालाब परिसर

विकास की एक और नई सौगात से संवरने जा रहा है गणेश तालाब

रायगढ/मूक पत्रिका

शहर के विकास और सौंदर्यीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। रायगढ़ विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के कुशल मार्गदर्शन एवं दूरदर्शी सोच से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को लगातार गति मिल रही है। इसी विकास की कड़ी में अब शहर के मध्य स्थित ऐतिहासिक एवं प्रमुख गणेश तालाब के भव्य सौंदर्यीकरण एवं कायाकल्प की तैयारी शुरू हो गई है। गणेश तालाब रायगढ़ शहर के प्रमुख स्थलों में से एक है और लंबे समय से शहरवासियों की आस्था, सामाजिक गतिविधियों एवं दैनिक जीवन से जुड़ा हुआ है। शहर के मध्य स्थित होने के कारण इसे रायगढ़ के हृदय स्थल के रूप में भी देखा जाता है। ऐसे महत्वपूर्ण स्थल को व्यवस्थित, आकर्षक एवं आधुनिक स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से इसके सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव तैयार किया गया है।आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा गणेश तालाब परिसर प्रस्तावित सौंदर्यीकरण कार्य के अंतर्गत गणेश तालाब परिसर में नागरिकों की सुविधा, सुरक्षा एवं आकर्षण को ध्यान में रखते हुए अनेक महत्वपूर्ण विकास कार्य किए जाने प्रस्तावित हैं। तालाब परिसर में व्यवस्थित विद्युत प्रकाश व्यवस्था की जाएगी, जिससे शाम एवं रात्रि के समय पूरा परिसर आकर्षक दिखाई देने के साथ-साथ नागरिकों के लिए सुरक्षित भी रहेगा। तालाब के आसपास सुरक्षा एवं सुंदरता को ध्यान में रखते हुए लोहे की जाली लगाने का कार्य प्रस्तावित है। इसके अलावा तालाब परिसर की दीवारों पर आकर्षक रंग-रोगन एवं पेंटिंग कराकर परिसर को नया और सुंदर स्वरूप प्रदान किया जाएगा। तालाब के चारों ओर नागरिकों के घूमने एवं टहलने के लिए पेवर ब्लॉकयुक्त शानदार पाथवे विकसित किया जाएगा। इससे सुबह-शाम यहां आने वाले नागरिकों को बेहतर एवं व्यवस्थित सुविधा मिलेगी। साथ ही परिसर में आधुनिक शौचालय का निर्माण भी प्रस्तावित है, जिससे आम नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

भव्य मुख्य प्रवेश द्वार बनेगा आकर्षण का केंद्र-गणेश तालाब के सौंदर्यीकरण के अंतर्गत परिसर में एक भव्य एवं आकर्षक मुख्य प्रवेश द्वार (मेन गेट) भी विकसित किया जाएगा। इससे तालाब परिसर को एक अलग पहचान मिलेगी और आने वाले नागरिकों एवं पर्यटकों के लिए यह स्थल और अधिक आकर्षक नजर आएगा। इसके साथ ही मार्बल पत्थर एवं पीपल पेड़ स्थित हनुमान जी की प्रतिमा के आसपास विशेष सौंदर्यीकरण कार्य किया जाएगा। धार्मिक आस्था से जुड़े इस स्थल को व्यवस्थित एवं सुंदर स्वरूप प्रदान करने के साथ परिसर के समग्र विकास में भी इसे विशेष रूप से शामिल किया गया है।

हरेली हमारी कृषि संस्कृति, प्रकृति संरक्षण और समृद्धि का पर्व : गुरु खुशवंत साहेब

कौशल विकास मंत्री ने प्रदेशवासियों को दी हरेली तिहार की शुभकामनाएं, किसानों और युवाओं को सशक्त बनाने पर दिया जोर

रायपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने प्रदेशवासियों को छत्तीसगढ़ के प्रथम लोकपर्व हरेली तिहार की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि हरेली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की माटी, किसान, प्रकृति और समृद्ध लोक परंपराओं से जुड़ी आस्था एवं भावनाओं का उत्सव है। कृषि प्रधान छत्तीसगढ़ में हरेली पर्व किसानों के प्रति सम्मान और कृषि संस्कृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि हरेली के अवसर पर किसान अपने नांगर, हल एवं कृषि उपकरणों की पूजा करते हैं। यह परंपरा हमें अन्नदाता किसान और कृषि के महत्व का स्मरण कराती है। साथ ही हरेली पर्व प्रकृति संरक्षण, हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश भी देता है।

किसानों को सशक्त करना सरकार की प्राथमिकता-मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले, आय में वृद्धि हो और खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सके, इसके लिए सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।उन्होंने कहा कि किसान सशक्त होंगे तो गांव मजबूत होंगे और गांव मजबूत होने से छत्तीसगढ़ आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बनेगा।

युवाओं के कौशल और रोजगार पर विशेष फोकस-गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि सरकार किसानों के साथ-साथ प्रदेश के युवाओं को कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दे रही है। बदलते समय में युवाओं को आधुनिक एवं रोजगारपरक कौशल से जोड़ना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्रदेश का युवा केवल रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि अपने कौशल के माध्यम से रोजगार देने वाला और आत्मनिर्भर युवा बने। कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा के जरिए युवाओं को भविष्य की संभावनाओं के अनुरूप तैयार किया जा रहा है।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से जुड़ने की अपील-मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का उल्लेख करते हुए प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक पौधरोपण करने और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हरेली का संदेश ही हरियाली है। इस हरेली पर प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाए, उसकी देखभाल की जिम्मेदारी ले और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुंदर एवं हरा-भरा छत्तीसगढ़ बनाने का संकल्प करे। अंत में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने हरेली तिहार के पावन अवसर पर प्रदेश के किसानों, श्रमिकों, युवाओं, महिलाओं और समस्त नागरिकों के सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

सद्गुरु कबीर धनिधर्मदास साहेब एवं माता-पिता के नाम पर किया पौधारोपण, 1200 से अधिक पौधे रोपित

कबीर पंथ अनुयायियों ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में रचा नया संदेश

जगदलपुर/मूक पत्रिका

पवन कुमार नाग - पर्यावरण संरक्षण को केवल अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक जिम्मेदारी मानते हुए बस्तर जिले के कबीर पंथ अनुयायियों ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। सद्गुरु कबीर धनिधर्मदास वंशावली मिशन के प्रवर्तक एवं कबीर पंथ के सोलहवें वंशाचार्य पंथ श्री हुजूर उदितमुनि नाम साहेब जी के आह्वान पर 9 अगस्त को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान चलाया गया।इस अभियान के दौरान कबीर पंथ अनुयायियों ने विश्व वंदनीय सद्गुरु कबीर धनिधर्मदास साहेब एवं अपने माता-पिता के नाम पर पौधे रोपित कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्थायी जागरूकता पैदा करना और लगाए गए पौधों को वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखना रहा।

छह क्षेत्रों में पहुंचा पर्यावरण संरक्षण का संदेश-सद्गुरु कबीर धनिधर्मदास वंशावली मिशन जिला इकाई बस्तर के प्रतिनिधि श्याम दीवान, परोपकारी प्रतिनिधि पवनदास बघेल, महिला प्रतिनिधि श्रीमती हीरामनी सेठिया, जिला सलाहकार महंत लक्ष्मीकांत पंत तथा भानपुरी तहसील प्रतिनिधि विधियाधर के संयुक्त नेतृत्व में अभियान को आगे बढ़ाया गया। अभियान के तहत भानपुरी, करपावंड, बकावंड, लोहंडीगुड़ा, तोकापाल एवं जगदलपुर क्षेत्र में निवासरत कबीर पंथ अनुयायियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

पिछली गलतियों से सबक नहीं ले रहा, दे रहा दुर्घटनाओं को आमंत्रण

ओम श्री रुपेश प्लांट की मनमानी

रायगढ/मूक पत्रिका

जिले में एक ऐसा प्लांट है जो अपनी गैर-जिम्मेदाराना हरकतों और कारस्तानियों के कारण हमेशा सुर्खियों में रहा करता है और स्थानीय निवासी इससे त्रस्त रहते हैं। वर्तमान में इस कंपनी ने ग्रामीणों के आने-जाने के मुख्यमार्ग के दोनों ओर को जेसीबी से गड्ढा कर दिया है जिससे दुर्घटना का भय बना हुआ है। शिकायत के बावजूद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी है। रायगढ़-घरघोड़ा मार्ग में ग्राम चिराईपानी स्थित ओम श्री रुपेश कंपनी की, जिसके मालिक पूर्व कांग्रेसी नेता शंकर अग्रवाल हैं जो अपने आगे हर किसी को तुच्छ समझते हैं। श्रमिकों को पालतू जानवरों की तरह इस्तेमाल करने वाले इस प्लांट में बीते माह इनकी ही लापरवाही के कारण झोपड़ीनुमा लेबर क्वार्टर के ऊपर बाउंड्री वाल धँसने से एक गर्भवती महिला मजदूर की मौत हो गयी थी और दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस गंभीर हादसे के बाद भी यह कंपनी सुधरने का नाम नहीं ले रही है और गाँव के मुख्य सडक़ जिसमें आसपास के दर्जनों गाँव के सैकड़ों लोग रोजाना आवागमन करते हैं, के दोनों तरफ जेसीबी से गड्ढा खोद कर दुर्घटना को बुलावा दे रही है। बारिश से पानी भरने के कारण इस कच्चे सडक़ पर जहाँ लोगों को चलना और भी मुश्किल हो जाता है वहीं, इस कंपनी के पास से गुजरना अपनी जान जोखिम में डालने के जैसा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि दिखावे के लिए दो-तीन ट्राली मलबा डाल कर जस के तस छोड़ दिया गया है जबकि, स्वयं कंपनी के भारी वाहन भी यहीं से गुजरते हैं। दोनों ओर गड्ढे हो जाने से सडक़ इतना सकरा हो गया है कि ट्रक चालकों को वाहन के धंसने या पलटने का भय बना रहता है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि शंकर अग्रवाल शासकीय जमीन और तालाब को भी कब्जा कर रखा है, जिसकी शिकायत पर प्रशासन अपने स्तर पर कार्रवाई कर रही है। इसके बावजूद भी यह सुधरने का नाम नहीं ले रहा है। यही वजह है कि शंकर अग्रवाल के इस अडियल रवैये से ग्रामवासियों में आक्रोश की चिंगारी सुलग रही है जो कभी भी विस्फोटक रूप ले सकती है।

यहाँ बताना लाजिमी होगा कि ग्रामवासियों और राहगीरों को हो रही दिक्कतों और आरोपों को लेकर जब तहतक न्यूज ने शंकर अग्रवाल से फोन कर उनका पक्ष जानने की कोशिश की तो जवाबदेही से बचते नजर आये।उन्होंने दो टूक शब्दों में यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि ष्मैं तीन-चार दिनों के लिए बाहर जा रहा हूँ।ष् तबतक जनता विलाप करती रहेगी। अब ऐसे में सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि जवाब देने से भागने वाला शख्श अपनी जगह कितना सही है? धन के बल पर कुछ उद्योगपतियों ने इस औद्योगिक क्षेत्र को अपनी जागीर समझ लिया है। जहाँ चाह रहे वहाँ कब्जा कर रहे हैं, मजदूरों का शोषण कर रहे हैं, किसानों की खेती बर्बाद कर रहे हैं, स्थानीय वासियों का जीना हराम कर रहे हैं यहाँ तक कि जो साँस खुद ले रहे हैं उस हवा में भी जहर घोलने से बाज नहीं आ रहे हैं। रही बात इन पर अंकुश रखने वाले महावतों की तो उनकी तो बात ही निराली है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।